हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

9 मार्च, 1981

खंड 1 अंक 1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार 9 मार्च 1981

पृश्ठ संख्या

राज्यपाल का अभिभाशण (सदन की मेज पर रखी गई प्रति)	(1)1
भाोक प्रस्ताव	(1)15
अध्यक्ष द्वारा घोशणा	
1. पैनल आफ चेयरमैन	(1)27
2. कमेटी आन पैटी ांज	(1)27
सचिव द्वारा घोशणा	
राज्यपाल/राश्ट्रपति द्वारा अनुमति दिये गये बिलों सम्बन्धी	(1)27
बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट	(1)28
वि ोशाधिकार मामलों के सम्बन्ध में प्रिविलिज कमेटी का प्रिलिमिनरी रिपोर्टस पे ा करना तथा अन्तिम रिपोर्टस पे ा करने के लिये समय बढ़ाना	(1)30

1. 17 दिसम्बर, 1980 को स्वामी आदित्यवे ा एम0एल0ए0 द्वारा चौधरी संत कंवर, एम0एल0ए0 के विरूद्ध लगाये लगे आरोपी सम्बन्धी	(1)30
2. 10 जुलाई, 1980 को इस महान सदन के माननीय सदस्यसों के लिये क्षोभक तथा अपमानजनक भाशा प्रयोग करने के सम्बन्ध में डा0 मंगल सैन, एम0एल0ए0 के विरूद्ध अभिकथित वि ोशाधिकार भंग करने के प्र न सम्बन्धी	(1)33
सदन की मेजन पर रखे गये/पुनः रखे गये कागज–पत्र	(1)36

हरियाणा विधान सभा

सोमवार 9 मार्च, 1981

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़, में. 15.22 बजे हुई। अध्यक्ष (कर्नल राव राम सिंह) ने अध्यक्षता की।

राज्यपाल की अभिभाशण

(सदन की मेज पर रखी गई प्रति)

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, हरियाणा विधान सभा के रूल्ज आफ प्रोसीजर एड कंडक्ट आफ बिजनैस के रूल 18 के अनुसार मैने यह सूचना देनी है कि कांस्टीच्यू ान के आर्टिकल 176(1) के अनुसार राजयपाल महोदय ने आज 9 मार्च, 1981 को 2 बजे बाद दोपहर हरियाणा विधान सभा के सामने एड्रैस देने की कृपा की। एड्रैस की एक कापी आन दी टेबल आफ दी हाउस रखी जाती है।

''अध्यक्ष महोदय तथा आदरणीय सदस्यगण''

हरियाणा विधान सभा के इस वर्श के पहले अधिवे ान में आप सब का स्वागत करते हुये मुझे बडी प्रसन्नता हो रही है।

हमारे बीच तीन नये सदस्य है जो पिछले वर्श के मेरे अभिभाशण के बाद इस सदन में भाामिल हुये है। मैं उनका हार्दिक स्वागत करता हूं।

मुझे यह देख कर प्रसन्नता हुई है कि अनेकों प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद भी राज्य गत वर्श के दौरान सामाजिक न्याय और सर्वागीण प्रगति का लक्ष्य प्राप्त करने के लिये निरन्तर गति ाील रहा हैं वास्तव में कुछ दि ाओं में बहुत ही उपयोगी नये और समयबद्ध कार्यक्रम सफलतापूर्वक आरम्भ किये गये हैं मेरी सरकार की आर्थिक नीति का मुख्य प्रयास कृशि और औद्यौगिक उत्पादन बढ़ाना और जनसाधारण, वि ोशतः अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों, गरीबों और समाज के अन्य कमजोर वर्गों के रहन–सहन के स्तर को बेहतर बनाने के लिये सामाजिक, आर्थिक और भौक्षिक विकास के लिये सभी सम्भव सुविधायें जुटाना हैं इन उद्दे यों की पूर्ति के लिये मेरी सरकार ने अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में ऐसी नीतियां और कार्यक्रम बनाये है जिनसे भीघ्र ठोस परिणाम प्राप्त किये जा सकें।

माननीय सदस्यों को यह जानकर प्रसन्नता होगी कि राजय की छठी पंचवर्शीय योजना (1980–85), जिसे हाल ही में अन्तिम रूप दिया गया है, को गत वर्शों की अपेक्षा में काफी बढ़ौतरी दी गई है जो कि बेमिसाल है। 1800 करोड़ रूपये का परिव्यय पांचवी पंच–वर्शीय योजना से तिगुनी वृद्धि का संकेत देता है।

चालू वर्श के लिये सं ाोधित योजना परिव्यय 253.78 करोड़ रूपये है जबकि पिछले वर्श की वार्शिक योजना में यह परिव्यय केवल 219.76 करोड़ रूपये था। वर्श 1981–82 के लिये 290.00 करोड़ रूपये की अन्तिम योजना स्वीकृत की गई है।

मेरी सरकार पिछडे वर्गों की सामाजिक–आर्थिक स्थितियों में सुधार लाने के लिये उन्हे हर सम्भव सहायता देने के लिये बहुत उत्सुक रही है। इस उद्दे य के लिये 2.00 करोड रूपये की प्राधिकृत पूंजी से ''हरियाणा पिछड़े वर्ग कल्याण निगम'' स्थापित किया गया है। यह निगम राज्य के विभिन्न जिलों में क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित करेगा। निगम द्वारा पात्र सदस्यों को नाममात्र ब्याज दन स्वतः रोजगार साइकिल/रिक ाा की खरीद, भवन निर्माण इत्यादि के लिये सीधे कर्ज देने की स्कीमों से पिछडे वर्गों के सदस्यों में रोजगार और उदमय सम्बन्धी कु ालतायें पैदार करने में सहायता मिलेगी। यह निगम उत्पादन तथा प्र ाक्षण केन्द्र, कच्चा –माल–डिपो स्थापित करने तथा जहां आव यक हो वहां मार्किटिंग तथा तकनीकी सहायता देने पर भी विचार कर रहा है। यह निगम हर तरह से प्रयत्न करेगा कि इन वर्गों के लिये पहले से प्रचलित योजनाओं, जैसे वजीफे, बैंक कर्जे, भाहरी तथा देहाती क्षेत्रों में मकान बनाने और स्वतः रोजगार स्कीमों से पूरा–2 लाभ हासिल किया जाये।

गरीबी दूर करना हमारे सुनियोजित आर्थिक विकास का मुख्य उद्दे य है। 1978–79 के आंकड़ों के अनुसार गरीबी की

सीमा–रेखा से नीचे रहने वाला लगभग 3.21 लाख परिवारों का सबसे बडा वर्ग अनुसूचित जातियों का है। गरीबी की सीमा रेखा से उपर लाने के लिये 1980–81 की वार्शिक योजना में 50000 से अधिक ऐसे परिवारों के लिये एक ''वि ोश अंगभूत योजना'' (Special Component Plan) चालू की गई थी। योजना कार्यक्रमों के अधीन प्राप्त होने वाले सामान्य लाभों मे अतिरिक्त, 1981–82 के लिये कुल योजना परिव्यय का लगभग 12.26 प्रति ात ''वि ोश अंगभूत योजना'' के लिये नियत करने का प्रस्ताव है, ताकि 50000 और परिवारों को इस योजना के अन्तर्गत लाया जा सके और कृशि अपज की विशे ा योजनाओं, दुधारू प ाुओं की सप्लाई, औधोगिक यूनिटों की स्थापना तथा स्वतः रोजगार के लिये प्रि ाक्षण के माध्यम से उनके स्तर को गरीबी की सीमा रेखा से उपर लाया जा सके। देहाती विकास के अनेक कार्यक्रमों के अन्तर्गत खर्च किये जाने वाले धन का लगभग 66 प्रति ात अनुसूचित जातियों के लाभ के लिये रखा गया है। इसके अतिरिक्त, अनूसूचित जातियों के कल्याण के लिये दो अन्य ऐसे समयबद्ध कार्यक्रम है, जिनका उल्लेख करना आव यक है। जून, 1981 तक राज्य की सभी हरिजन बस्तियों में बिजली पहुंचाने का लक्ष्य प्राप्त होने ही वाला है। इसके अतिरिकत 1981–82 के दौरान 10 प्रति ात हरिजन घरों में एक प्वायंट वाले घरेलू कनैक् ान दे दिये जायेगें। ग्रामीण क्षेत्रों में मकानों के प्लाटों के अलाट करने सम्बन्धी ि ाकायतों को दूर करने और सभी अलाटियों को मार्च, 1981 के अन्त तक कब्जा दे देने के लिये एक अभियान चलाया

गया है। इसी प्रकार, सभी उपायुक्तों को यह सुनि ित करने के लिये कडी हिदायतें जारी की गई है कि राजय की समूची फालतू भूमि न केवल अलाट ही कर दी जाये, अपितु 31–3–1981 तक उसका कब्जा भी दे दिया जाये। ऐसे अलाटियों में बहुत बडी संख्या अनुसूचित जातियों के लोगों की है।

जनता की एक और मालिक आव यकता आवास है जिसकी और मेरी सरकार वि ोश ध्यान दे रही है। राज्य आवास बोर्ड इस वर्श 4000 और नये मकान बनायेगा जिससे भाहरी क्षेत्रज्ञें में इसके द्वारा बनाये गये मकानों की कुल संख्या 11065 हो जायेगी। हम चाहते है कि जहां तक हो सके कम से कम समय के अन्दर ग्रामीण क्षेत्रों में, वि ोशकर समाज के कमजोर वर्गो को राहत देने के लिये मकानों का प्रबन्ध किया जाये। वर्श 1981–82 के लिये राज्य के ग्रामीण तथा भाहरी क्षेत्रों में 10000 मकान बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें से 75 प्रति ात से अधिक मकान कमजोर वर्गों के लिये रखे जायेगें।

जैसा कि माननीय सदस्यों को पता ही है, हमारे राज्य मे कइ ऐसे क्षेत्र है, जो बहुत ही पिछडे हुये रहे है। मेवात एक ऐसा ही क्षेत्र है। इसके तेजी से विकास के लिये पिछले साल मख्य मंत्री महोदय की अध्यक्षता में मेवात विकास बोर्ड बनाया गया था। 1980–81 के दौरान इस क्षेत्र के लिये 1.25 करोड़ रूपये की वि ोश स्कीमें मंजूर कर दी गई है और कुछ महतवपूर्ण स्कीमों से लाभ मिलना भी भाुरू हो गया है। उदाहरण के तौर पर हथीन,

फिरोजपूर झिरका और नगीना में औद्योगिक प्रि ाक्षण संस्थानों ने काम करना भी भाुरू कर दिया है। इनमें 200 लड़कों ने प्रवे ा ले लिया है। सिंचाई का विस्तार करने और रोजका मेव, हथीन, और नूंह में औद्योगिक सम्पदायें स्थापित करने का काम काफी आगे बढ़ चुका है। कृशि, डेरी, वन–धन आदि में सुधार लाने के लिये स्कीमें भी चलाई गई है ताकि इस क्षेत्र के लोगों के लिये रोजगार के अधिक से अधिक अवसर जुटाए जा सके और इसके सर्वांगीण विकास के लिये आव यक आधार तैयार किया जा सके। वर्श 1981–82 के इस क्षेत्र की स्कीमों के लिये रखी गई धन रािा को और बढाने का प्रस्ताव है।

निर्धन और जरूरतमन्द लोगों को राहत देने के उद्दे य से मेरी सरकार ने यह निर्णय लिया है कि समाज के उस वर्ग को सहायता दी जाए जो बहुत मुि कल में है और यह वर्ग है गरीब और दीन अभियुक्तों का जिन पर मुकदमें चल रहे है किन्तु जो अपने वकील को फीस भी नहीं दे सकते। यह निर्णय लिया गया है कि केन्द्र सरकार की नीतियों के अनुसार उच्च न्यायालय के पराम र्ा से ऐसे व्यक्तियों को नि ाुल्क कानूनी सहायता देने सम्बन्धी स्कीम के लिये 1981–82 के दौरान धन–रािा का प्रावधान किया जाये।

माननीय सदस्यों को पता ही है कि राज्य के सभी गांवों को पक्की सड़कों से जोडने के लिये वर्श राज्य सरकार द्वारा एक बहुत बड़ा कार्यकम भाुरू किया गया था। यह सन्तोश

का विशय है कि लक्ष्य के अनुसार यह कार्य मार्च, 1981 के अन्त तक पूरा हो जायेगा और पहाडी क्षेत्र एवं खादर के कुछ गांवों को छोड कर राज्य के सभी गांवों को सडकों से जोड दिया जायेगा। यह कार्य किसानों के लिये अपनी उपज मण्डियों तक भीघ्र ले जाने के लिये वरदान सिद्ध होगा।

राज्य के कृशि विकास में अत्यन्त महत्वपूर्ण बात जो वि ोश ध्यान देने योग्य है, यह है कि कृशि और सम्बद्ध क्षेत्र में बिजली की खपत मे बहुत अधिक वृद्धि हुई है। वास्तव में, यह इस दि ाा में हो रही निरन्तर प्रगति का प्रतीक है। माननीय सदस्यों को यह जानकर प्रसन्नता होगी कि अब हम उस स्थिति में पहुंच गये है, जहां हमारी लगभग 40 प्रति ात बिजली की खपत कृशि और उससे सम्बन्धित क्षेत्रों में हो रही है। हमस ब के लिये यह अत्यन्त ही सन्तोश का विशय है कि अब नाथपा–झाकरी त्रिपक्षीय समझौते को केन्द्र के सहयोग से अन्तिम रूप दे दिया गया है। यह हमारे राज्य में भविश्य की बिजली आव यकतायें जुटाने की बहुत महत्वपूर्ण परियोजना है। सभी सम्भव यत्न किये जायेगें कि यह योजना कम से कम समय में पूरी कर लीय जये ताकि राज्य की कृशि तथा उद्योग विकास से सम्बन्धित आव यकताएं पूरी हो जाएं। एक और उत्साहवर्धक बात यह है कि राज्य में नलकूपों की संख्या में अपूर्व वृद्धि हुई है, जो अब 3 लाख से अधिक पहुंच चुकी है। मार्च, 1981 तक 20000, और नलकूपों को बिजली देने का लक्ष्य पहले ही पार किया जा चुका है।

विभिन्न आर्थिक कार्यक्रमों को क्रियान्वित करनें के हमारे प्रयास को राज्य के कुछ क्षेत्रों में आई बाढ़ों, सूखे और ओलों जैसी प्राकृतिक आपदाओं से गहरा धक्का पहुंचा है। मार्च, अप्रैल, अक्तूबर, 1980 और फरवरी, 1981 में ओले पड़े। जुलाई, 1980 में बाढ़े आयी और हद यह है कि सितम्बर और अक्तूबर, 1980 के दौरान कुछ जिलों में सूखे की स्थिति उत्पन्न हो गई। ऐसी प्रतिकूल परिस्थितियों से किसानों को बहुत हानि पहुंची। मेरी सरकार ने हर मामले में तुरन्त राहत पहुंचाई। ओलों के कारण जिन किसानों की फसलें नश्ट हुयीं, उनको दी जाने वाली सहायता की दर 100–300 रूपये से बढाकर 200–400 रूपये प्रति एकड कर दी गई थी। किसानों को भमि–जोत–कर में ढील व छूट देने और तकावी कर्जों की वसूली को स्थगित करने की भाक्ल में और भी अधिक राहत दी गई। उन किसानों को भी पर्याप्त राहत दी गई, जिन्हें बाढ़ और सूखा के कारण हानि पहुंची। इसके अतिरिक्त, 210.14 लाख रूपये की रा ि ा बीज, खाद और चारे की खरीद के लिये तकावी कर्जों के रूप में बांटने के लिये उपायुक्तों को दी गई है। किसानों को रियायती दरों पर चारा और बीज उपलब्ध कराये गये जिस पर केवल सूखाग्रस्त इलाकों में 39.50 लाख रूपये का खर्च हुआ। काम के बदले अनाज कार्यक्रम, जिले हाल ही में अधिक व्यापक रूप देकर राश्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम का नाम दिया गया है, सीमित उपलब्ध केन्द्रीय सहायता से चलाया गया ताकि प्रभावित क्षेत्रों में उपयोगी रोजगार जुटाये जा सकें। बाढ के पानी को खेतों से निकालने हेतू सिंचाई विभाग

को 2 करोउ रूपये की रा ि ा दी गई। बाढ़–ग्रस्त क्षेत्रों में लोगों को दवाइयों उपलब्ध कराने के लिये 23 लाख रूपये की रा ि ा खर्च की गई और इसके अतिरिक्त प ुाओं की चिकित्सा पर 24 लाख रूपये की रा ि ा खर्च की गई। भारत सरकार ने बाढ़ राहत सहायता के रूप में 3.93 करोड़ रूपये की रा ि ा स्वीकृत की थी। 3.75 करोड़ रूपये की अतिरिक्त रा ि ा भारत सरकार ने सूखाग्रस्त क्षेत्रों के लोगों को राहत पहूंचाने के लिये उपलब्ध की।

हाल ही की पर्याप्त भीतकालीन वर्शा से किसानों में नई आ ाा जगी है और मैं आ ाा करता हूं कि अनेक विपरीत परिस्थितियों के बावजूद चालू वर्श के दौरान राजय में खद्यान्न उत्पादन चरम ि ाखर पर पहुंच जायेगा। मेरी सरकार द्वारा भीशण बाढ़ को रोकने के लिये गत तीन वर्शो के दौरान किये गये प्रयासों के लाभ मिलने भाुरू हो गये है और अनुमान है कि इस अवधि में कम से कम 2 लाख एकड अत्यधिक बाढ़–ग्रस्त क्षेत्र को बाढो़ से बचा लिया गया है। बाढ़–नियन्त्रण के लिये 138 करोड यपये की लागत वाले ''मास्टर प्लान'' के अन्तर्गत विभिन्न बाढ़ बचाव स्कीमों पर वर्श 1981–82 में 17.50 करोड रूपये की रा ि ा खर्च की जायेगी।

कृशि हरियाणा के लोगों का मुख्य व्यवसाय है इसलिये मेरी सरकार कृशि के विकास और कृशि उत्पादन को अधिक से अधिक करने को सर्वोच्च प्राथमिकता देती आ रही है। इस उद्दे य को प्राप्त करने के लिये मेरी सरकार सिंचाई की

व्यवस्था के लिये लगातार यत्न ाील है। नये क्षेत्रों को सिंचाई अधीन लाने और वर्तमान जल स्त्रोतों के सरंक्षण की स्कीमें चलाई गई है। वर्श 1980–81 में बडी और माध्यम सिचांई स्कीमों पर 48. 15 करोड रूपये खर्च होने की सम्भावना है जिसे वर्श 1981–82 के दौरान बढाकर 59.50 करोड रूपये कर देने का प्रस्ताव हैं इसमें पंजाब क्षेत्र में सतलूज–यमुना योजक पर खर्च किये जाने के लिये प्रस्तावित 6 करोड रूपये की रा ि ा भाामिल है। हरियाणा क्षेत्र में इस योजक नहर का निर्माण–कार्य लगभग पूरा हो चुका है। यह खेद का विशय है कि राजय और केन्द्र स्तर पर यथा ाीघ्र इस काम को भाुरू करने के प्रयत्नों के बावजूद पंजाब–क्षेत्र में निर्माण–कार्य अभी तक भाुरू नहीं किया गया है।

जल–मार्गों को पक्का करने की वि व बैंक सहायता प्राप्त परियोजना के प्रथम चरण का कार्य सन्तोशजनक ढंग से हो रहा है। चालू वर्श के दौरान इस परियोजना पर 20.00 करोड़ रूपये खर्च करने का प्रस्ताव है। प्रथम चरण के पूरा होने पर लगभग 25 करोड वर्ग फुट जल–मार्ग पक्का करने का काम पूरा हो जायेगा जिसके परिणामस्वरूप लगभग 1500 क्येसेक पानी की बचत होगी जिससे 1.37 लाख हैक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र की चिाई की जा सकेगी ओर प्रतिवर्श 20 करोड रूपये के मूल्य की अतिरिक्त फसलों का उत्पादान होगा। इसी प्रकार, हरियाणा लघु–सिंचाई (नलकूप) निगम द्वारा चालू वर्श कें दौरान 1080 लाख रूपये के अनुमानित परिव्यय से 1655 किलेमीटर लमबे 410

खाल पक्के किये गए है और इस निगम द्वारा वर्श 1981–82 के दोरान 2438 किलोमीटर अतिरिक्त खालों को पक्का करने का प्रस्ताव है। सिवानी और लोहारू उठान सिंचाई स्कीम पर निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है ओर जवाहर लाल नेहरू उठान सिचांई पर निर्माण कार्य काफी आगे बढ चुका हैं इन स्कीमों के लिये वर्श 1981–82 में 12.70 करोड रूपये का उपबन्ध किया गया है।

मेरी सरकार राज्य में बिजली की कमी को पूरा करने के लिये बिजली के उत्पादन और वितरण की और वि ोश ध्यान दे रही है। हमारे बिजली उत्पादन कार्यक्रम का मुख्य प्रयास यह है कि भीघ्र आर्थिक विकास के साधनों को व्यापक बनाया जाये और जीवन–स्तर को , वि ोशतः किसानों और समाज के कम सुविधा पाने वाले वर्गों के जीवन–स्तर को, उंचा उठाने के लिये बिजली जुटाई जाये। इस गरिमामय सदन मे मेरे , गत अभिभाशण के बाद, पानीपत में दूसरा 110 मैगावाट का थर्मल यूनिट और फरीदाबाद में तीसरा 60 मैगावाट का थर्मल यूनिट चालू हो गया है। आगामी वर्शो में बिजली सप्लाई की कठिन स्थिति की समीावना को ध्यान में रखते हुये पानीपत थर्मल बिजली परियोजना के दूसरे तथा तीसरे चरण को भूरू करने का समय आगे बढा लिया गया है ताकि छठी योजना के दौरान ही लाभ मिलने नि चत हो जाये। इसके अतिरिक्त, 64 मैगावाट प चमी यमुना नहर पन बिजली परियोजना पर निर्माण कार्य तेज कर दिया गयाहैं

इसी तरह, छठी पंचवर्शीय योजना के दौरान हरियाणा को ब्यास परियोजना के चरण IIके अन्तर्गत देहर बिजली घर में 165–165 मैगावाट और पौंग बिजली घर में 60–60 मैगावाट के दो–दो अतिरिक्त यूनिटों से लाभ प्राप्त हो जाने की सम्भावना है।

मेरी सरकार ने भविश्य का सामना करने के लिये बिजली उत्पादन हेतू अग्रिम आयोजना पर ध्यान केन्द्रित किया हूआ है। यमूनानगर में एक 800 मैगावाट के थर्मल बिजली संयंत्र की योजना बनाई गई है। मैं नाथपा–झाकरी योजना का वर्णन पहले ही कर चुका हूं। इस योजना के द्वारा मुख्यतः हिामाचल प्रदे ा ओर हरियाणा के संयुक्त लाभ के लिये 1020 मैगावाट बिजली का उत्पादन होगा। केन्द्रीय बिजली उत्पादन परियोजनाओं से हिस्सा जैसे बैरा सिउल (54 मैगावाट) सलाल पन बिजली परियोजना (66 मैगावाट) तथा सिंगरौली सुपर थर्मल बिजली घर (141 मैगावाट) हरियाणा राजय को पहले ही आंबटित हो चुका हैं। इसी प्रकार, अन्तरौजय परियोजना थीन से बिजली उत्पादन में हरियाणा राजय का उचित दावा भी जोरदार ढंग से किया जा रहा है।

राजय के जल तथा बिजली स्त्रोतों को बढानें के अतिरिक्त, मेरी सरकार कृशि उपज बढाने के लिये सघन कृशि तथा बेहतर कृशि वैज्ञानिक तरीकों को प्रोत्साहन दे रही है। वर्श 1981–82 के दौरान विभिन्न फसलों के 175650 क्विंटल उन्नत बीज बांटने का प्रस्ताव है जबकि इसके मुकाबले वर्श 1980–81 में

158800 क्विंटल बीजों के वितरण की प्रत्या ाा है। वर्श 1981–82 में 3 लाख टन रासायनिक खादों के वितरण का लक्ष्य है जबकि वर्श 1980–81 में यह लक्ष्य 2.36 लाख टन था। पौधा सरंक्षण कार्य की और भी पर्याप्त ध्यान दिया जा रहा है और वर्श 1980. –81 के दौरान 1.42 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में कपास, गन्ना और तिलहन पर हवाई छिडकाव करने का प्रस्ताव है जबकि गत वर्श यह छिड़काव केवल 0.23 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में किया गया था।

यह मेरी सरकार तथा राजय के परिश्रमी किसानों के निरन्तर तथा समिमिलित प्रयत्नो का ही परिणाम है कि आज हरियाणा के मैदान हरित क्रान्ति की चमक से जगमगा रहे है। उठाये गये विभिन्न कदमों के परिणाामस्वरूप ही, वर्श 1981–82 के लिये खाद्यान उत्पादन का लक्ष्य 68.20 लाख टन रखा गया है। गन्ना तथा तिलहनों के मामले में यह लक्ष्य क्रम ाः 7.00 लाख टन तथा 1.55 लाख टन नियत किया गया है जबकि वर्श 1980–81 के दौरान यह प्रतयाि ात उपलब्धि क्रम ाः 5.50 लाख टन तथा 1.48 लाख टन है। राज्य सरकार किसानों को उनकी फसलों के उचित एवं लाभकारी मूल्य दिलाने के लिये वचनबद्ध है। हाल ही में गन्ने का मूल्य दिया गया है। जिससे गन्ना उत्पादकों के लिये लाभकारी मूल्य सुनिि चत हो गया है, यद्यपि इससे राज कोश पर काफी भार पडा है। भविश्य में भी कृशकों के हितों की रक्षा करने के हमारे प्रयत्नों में कमी नहीं आयेगी।

कृशि उपज बढाने के लिये प्रयास करने के साथ–2 मेरी सरकार राज्य की क्षेत्रीय असमानताओं के प्रति भी जागरूक हैं रोहतक, महेन्द्रगढ़, भिवानी और हिसार के सूखासम्भावी और बंजर क्षेत्रों के विकास की और वि ोश ध्यान दिया जा रहा है। इन क्षेत्रों के लिये सामान्य खर्च के अतिरिक्त वर्श 1980–81 में सूखा सम्भावी क्षेत्र कार्यक्रम और मरूस्थल विकास कार्यक्रम के लिये 3. 46 करोड रूपये की रा ि ा रखी गई है। ताकि प्राकृतिक और मानवीय साधनों के अधिक से अधिक उपयोग के लियै आधारभूत सुविधाओं के माध्यम से इन क्षेत्रों की अर्थ–व्यवस्था को सुधारा जा सके।

कृशि उत्पादन को बढाने की और ध्यान देने के साथ–साथ मेरी सरकार ने किसनों की बिक्री योग्य फालतू उपज के ठीक प्रकार से भंडार करने और उसके विपणन के लिये सभी सम्भव कदम उठायें हैं हरियाणा राज्य कृशि विपणन बोर्ड ने वि व बैंक की सहायता से 125 नई मंडिया स्थापित करने की बहुत बडी योजना बनाई है। इस परियोजना के पहले चरण में 25. 43 करोड रूपये की लागत से 26 मंडियों का विकास किया जा रहा है। आ ाा की जाती है कि ये 26 मंडियां निर्धारित समय में अर्थात जून, 1982 तक पूरी हो जायेगी। हरियाणा भाडांगार निगम ने चालू वित्त वर्श में 5000 मीट्रिक टन की क्षमता वाले भांडागारों का निर्माण किया है और 71.500 मीट्रिक टन की क्षमता वाले भांडागार निर्माणाधीन है और 30 अप्रैल 1981 तक तैयार हो

जायेगें । निगम ने वर्श 1981–82 में 2.27 करोड रूपये की लागत से 80000 मीट्रिक टन की क्षमता वाले भांडागारों का निर्माण करने का प्रस्ताव किया है।

मेरी सहकार छोटे और सीमान्त किसानों, कृशि तथा अन्य श्रमिकों, ग्रामीण कारीगरों, ि ाल्पियों और अन्य दलित वर्गों की कमजोर आर्थिक स्थिति के प्रति भी जागरूक हैं। उनकी आय को बढाने तथा उन्हे निर्घनता सीमा रेखा से उपर उइाने के लिये राज्य के सभी विकास खंडों में समेकित ग्राम विकास कार्यकम (Integrated Rural Development Programme) को लागू कर दिया गया है। इस प्रयोजन के लिये चालू वर्श में 3.36 करोड रूपये की राशि का उपबन्ध किया गया है। तथा नई पद्धति के अनुसार इस कार्यकम के अन्तर्गत 5 लख रूपये प्रति खंड खर्च किये जायेगें आगामी वित्त वर्श के लिये इस रा ि ा को बढा कर 6 लाख रूपये प्रति खंड कर देने का प्रस्ताव है और 1981–82 के लिये 5.34 करोड रूपये का कुल उपबन्ध किया गया है।

पहले की तरह, सहकारी क्षेत्र कृशि उत्पादन तथा समाज के कमजोर वर्गों की सहायता करने में एक महतवपूर्ण योगदान दे रहा है। प्राथमिक सहकारी कृशि ऋण तथा सेवा मितियों, जो ''मिनी बैंक'' के नाम से प्रसिद्ध है। ने सहकारी वर्श 1980–81 में 92.36 करेाड रूपये के अल्पावधि तथा मध्यावधि ऋण दिये है और वर्श 1980–81 और 1981–82 में अल्पावधी ऋण कम ाः 125.00 करोड रूपये और 130.00 करोड रूपये देने का

लक्ष्य नि ि चत किया गया है। कमजोर वर्गों के लिये ऋण देने की रा ि ा जो कि कुल योग का 40 प्रति ात है, छठी योजना के अन्त तक बढ कर लगभग 50 प्रति ात हो जायेगी। इसके अतिरिक्त ''मिनी बैंक' उपभोक्ता वस्तुओं के वितरण और कृशि उपयोगी वस्तुओं जैसे रासायनिक खाद और बीज आदि की सप्लाई को निरन्तर आगे बढा रहे है। पिछली खरीफ के दौरान सूखे की भंयकर स्थिति को ध्यान में रखते हुये यह निर्णय किया गया था कि खेतिहरों को राहत देने के लिये कुल 50.00 करोड़ रूपये के खरीफ कर्जों में से 16.23 करोड रूपये के अल्पावधि कृशि कर्जों की मध्यावधि कर्जों में बदल दिया जाये। सहकारी वर्श 1979–80 के दौरान हरियाणा राजय सहकारी भूमि विकास बैंक ने दुधारू प ाुओं, कृशि उपकरणों, ट्रैक्टरों की खरीद तथा नलकूप लगाने, कूयें खोदने, भूमि सुधार आदि पर खर्च के लिये 2692.13 लाख रूपये के दीर्घावधि कर्जे दिये है, जबकि इस कार्य के लिये लक्ष्य केवल 2500.00 लाख रूपये निर्धारित किया गया था।

हरियाणा राज्य सहकारी सप्लाई एवं विपणन संघ (हैफेड) ने सहकारी वर्श 1979–80 के दौरान 4746.40 लाख रूपये की कृशि उपज बेची जबकि वर्श 1977–78 के दौरान 3288.99 लाख रूपये की उपज बेची गई थी। इस उद्दे य के लिये वर्श 1980–81 और वर्श 1981–82 में कम ाः 4200.00 लाख रूपये और 4600.00 लाख रूपये का लक्ष्य नि ि चत किया गया है। हैफेड ने डींग में एक कपास संसाधन केन्द्र खोल दिया है जिसने पिछली

फरवरी से काम आरम्भ कर दिया हैं छठी पंचवर्शीय योजना के दौरान राजय सरकार द्वारा हिस्सा पूंजी के रूप में 135.00 लाख रूपये की वित्तीय सहायता से भट्टूकलां या सिरसा मे एक और सहकारी कताई मिल लगाने का कार्यक्रम बनाया गया है।

प ुपालन, डेरी विकास, मतस्य पालन और वानिकी सम्बंधित क्षेत्रों में मेरी सरकार वि ोशकर ग्रामीण क्षेत्रों मे बेरोजगारी की समस्या को सुलझाने के लिये विभिन्न योजनायें कार्याविन्त कर रही है। हरियाणा सहकारी डेरी विकास संघ ने सहकारी वर्श 1979–80 क`दौरान 925.29 लाख रूपये के मूल्य के दूध उत्पादकों की बिक्री की। प ुपालन विभाग का वर्श 1981–82 के दौरान 50 नई प ु डिस्पैसरियां खोलने और 25 डिस्पैंसरियों/प ुपालन केन्द्रों का स्तर बढाकर उन्हें हस्पताल–प्रजनन केन्द्र बना देने का प्रस्ताव है। महेन्द्रगढ़ जिला में भी एक नई सघन प ुधन विकास परियोजना स्थापित किये जाने का प्रस्ताव है। पिछलें कुछ वर्शो में सामाजिक वानिकी (Social forestry) के बढते महत्व को ध्यान में रखते हुये वन विभाग के राजय के प्रत्येक विकास खण्ड में 1.00 लाख पौधे लगाने की एक महत्वाकांक्षी स्कीम तैयार की है ओर ये पौधे क्षेतों के किनारों पर लगाये जायेगें। प्रत्येक जिले के 2 खण्डों को ''एक वृक्ष प्रति बच्चा कार्यक्रम'' के अन्तर्गत लाने का भी प्रस्ताव है। राज्य में वन स्त्रोतों का सुधार करने, भू–सरंक्षण उपायों को

अपनाने और वन्य जीवों के विकास के लिये वार्शिक योजना 1981–82 में 350.00 लाख रूपये का उपबन्ध किया गया है।

मेरी सरकार राज्य के औद्योगिक विकास को अत्याधिक महत्व दे रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योगों का जाल बिछाना तथा उसे रोजगार के लिये एक प्रभावी संयंत्र बनाना, मेरी सरकार की औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिये उद्यमकर्ताओं को प्रोत्साहित करने के लिये विभिन्न प्रकार के प्रोत्साहन उपलब्ध कराये गये है, जिसके परिणामस्वरूप गांवों में 4000 से भी अधिक छोटी इकाइयों की स्थापना हो गई है जिनसे 31 दिसम्बर, 1980 तक 11000 व्यक्तियों को रोजगार मिला है, जिनमें से लगभग 50 प्रति ात व्यक्ति समाज के कमजोर वर्गों से है। चालू वित्त वर्श के लिये 2400 इकाइयों की स्थापना की नियत लक्ष्य पूरा हो जाने की सम्भावना है क्योकि दिसम्बर, 1980 के अन्त तक लगभग 1500 इकाइयों की स्थापना पहले ही हो चुकी है। ग्रामीण उद्योगों के उत्पादनों की बिक्री में उनकी सहायता करने के लिये, हरियाणा राज्य लघु उद्योग एवं निर्यात निगम ने अनेक जिला मार्किटिंग केन्द्र खोल दिये है। गत वर्श के दौरान निगम ने ग्रामीण उद्योगों द्वारा उत्पादित 118 लाख रूपये मूल्य की वस्तुयें बेची है। आर्थिक विशमताओं तथा क्षेत्रीय असंतुलनों को कम करने के उद्दे य से मेरी सरकार पिछडे क्षेत्रों के औद्योगिक विकास की और वि ोश ध्यान दे रही है। गुड़गांवा तथा फरीदाबाद जिलों का मेवात क्षेत्र हाल में ही औद्योगिक दृश्टि से पिछडा क्षेत्र घोशित किया गया है

तथा राज्य के अन्य कुछ क्षेत्रों नामतः झज्जर, नारायणगढ़, कालका, पूरा सिरसा जिला तथा हिसार जिले के भोश क्षेत्र को औद्योगिक दृश्टि से पिछडे क्षेत्र घोशित करने का मामला भारत सरकार के साथ उठाया गया है। उद्योग स्थापित करने सम्बन्धी कार्यों के तीव्र निपटान और उद्यमकर्ताओं को एक ही स्थान से सहायता उपलब्ध करनो के उद्दे य से, सरकार ने हाल ही में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक उच्च अधिकारी प्रापत तालमेल समिति तथा उद्योग निदे ाक के अधीन एक कार्यकारी यूनिट जिसे '' औद्योगिक सहायता ग्रुप'' कहते है, की स्थापना की है। आ ाा की जाती है कि इससे उद्योग क्षेत्र को बहुत अधिक सहायता मिलेगी तथा राज्य में औद्योगिक विकास तीव्र गति से होगा। राज्य में औद्योगिक विकास के लिये उठाये गये अनेक उन्नतिकारक प्रयासों के फलस्वरूप आज हरियाणा में औद्योगिक गतिविधियां जोरों पर है। हरियाणा राज्य के बनने के बाद लघु उद्योग इकाइयों की संख्या लगभग छः गुणा बढ गई है, अर्थात 4519 से बढकर 28000 से भी अधिक हो गई है। इसके अतिरिक्त, राज्य में 233 बडे तथा मध्यम दर्जे की इकाइयां है जिनमें 95000 कामगार काम करते है और प्रतिवर्श 800 करोड रूपये के मूल्य का माल तैयार होता है। चालू वर्श के दौरान निर्यात माल का कुल मूल्य 100 करोड रूपये के लक्ष्य को छू लेगा जबकि हरियाणा बनने के समय निर्यात केवल 4.85 करोड रूपये वार्शिक ही था।

मेरी सरकार इस तथ्य के प्रति जागरूी है कि जब तक लोगों की भौक्षिक प्रगति के लिये उन्हे उचित सुविधायें प्रदान नहीं की जाती तब तक उन्हें दी गई किन्ही अन्य सुविधाओं से उनके जीवन स्तर को बेहतर नहीं बनाया जा सकता। अतः मेरी सरकार भोक्षिक सुविधाओं के विसतार पर वि ोश जोर रे दही है, वि ोश रूप से देहाती क्षेत्रों में । 6–14 आयु वर्ग के सभी बच्चों के लिये सर्वजनीन और नि ुल्क प्राथमिक ि ाक्षा देने के लिये अनेक उपाय किए गए है। चालू वर्श के दौरान 152 प्राईमरी स्कूलों का स्तर बढा कर उन्हे मिडल स्कूल बनाया गया है और 105 मिडल स्कूलों को उच्च स्तर का बना दिया गया है। केवल इसी के परिणास्वरूप चालू वर्श के दौरान 89.00 लाख रूपये और 1981–82 में 104 लाख रूपये का अतिरिक्त खर्च होगा। प्राईमरी स्कूलों मे अधिक से अधिक बच्चों को आकर्शित करने के लिये दोपहर–भोजन के कार्यक्रम को 34.23 लाख रूपये की लगत से राजय के सभी 117 ि ाक्षा खण्डों में चालू कर दिया गया है जबकि गत वर्श इस कार्यक्रम के अन्तर्गत 83 खण्ड थें लडयिकों तथा समाज के कमजोर वर्गो की भोक्षिक प्रगति के लिये उनहें विभिन्न स्तरों पर छात्रवृतियां तथा अन्य प्रोत्साहन देने के वि ोश प्रयास किये जा रहे है। ि ाक्षा की प्रगति मैं गैर–सरकारी स्कूलों द्वारा निभाई जा रही महतवपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हूये मेरी सरकार ने यह सुनि ित करने के लिये विभिन्न उपये किये है कि उनके प्रयत्नों में धन का अभाव आड़े न आये। इसे ध्यान में रखते हये यह निर्णय लिया गया है कि 1.4.1980 से उनके घाटे

का 75 प्रति ात सहायता अनुदान के रूप में उनहें दिया जाये। आगे यह निर्णय भी लिया गया है कि जहां सं ाोधित वेतनमानों का सम्बन्ध है। 1.4.1981 से गैर–सरकारी स्कूलों के कर्मचारियों को उनके बराबर के सरकारी स्कूलों में कर्मचारियों के समान कर दिया जाये। ि ाक्षा विभाग के प्र ाासनिक ढांचे को बेहतर बनाने के उद्दे य से ि ाक्षा निदे ाालय को दो भागों में बांटने का निर्णय लिया गया है तथा दो अलग–अलग निद ाालय, एक उच्चतर ि ाक्षा के लिये ओर दूसरा स्कूल ि ाक्षा के लिये बनाये जा रहे हैं मेरी सरकार ने उच्चतर ि ाक्षा की उन्नति के लिये भी अनके कदम उठाये है। जनवरी 1980 से अप्रैल, 1980 की अवधि के दौरान, राज्य सरकार द्वारा 10 गैर–सरकारी कालिजों को अपने अधिकार में ले लिया गया है। ऐसा उनके प्रबन्धकों की प्रार्थना पर किया गया है, क्योकि वे धनाभाव के कारण इन्हे चलाने में असमर्थ थे। अन्य गैर–सरकारी कालिजों को अनुदान की अदयगी करने के लिये 1.73 करोड रूपये की व्यवस्था भी बजट में की गई है। मार्च 1980 में अपनाये गये सं ाोधित फार्मूले के अनुसार यह निर्णय लिया गया है कि गेर–सरकारी कालिजों में घाटे की परिगणना करने के लिये पिछले वर्श के अनुदान को आय के तौर पर न गिना जाये।

खेलकूद, जो ि ाक्षा एवं अनु ाासन में सहायक है, की और भी निरन्तर वि ोश ध्यान दिया जा रहा है। इस वर्श खेलकूद विभाग द्वारा 33 खेलकूद स्कीमे चलाई जा रही है, जबकि इसकी

तुलना में गत वर्श केवल 11 स्कीमें ही चलाई गई थी। चालू वित्त वर्श के दौरान विभिन्न खेलकूद विकास स्कीमों पर 34 लाख रूपये की रा ि ा खर्च की जायेगी और वर्श 1981–82 में इसके लिये 60 लाख रूपये का उपबन्ध किया गया है।

मेरी सरकार स्वास्थ्य रक्षा की पर्याप्त सुविधाओं, वि ोश रूप से देहाती क्षेत्रों में की आव यकता के प्रति भी जागरूक है। चालू वर्श के दौरान सात नये सहायक चिकित्सा केन्द्र खोले गये है। सोहन, पलवल, जगाधरी और चौटाला में सामान्य हस्पतालों के लिये नये भवन खोल दिये गये है औश्र इसके अतिरिक्त अम्बाला, खरहर, होडल, उपलाना, उकलाना और तिगांव में हस्पतालों की इमारतों के निर्माण के लिये प्र ाासनिक स्वीकृति पहले ही जारी कर दी गई है। सामुदायिक स्वास्थ्य वर्करों, दाई प्र ि ाक्षण, वह उद्दे ाीय वर्करों, आदि से सम्बन्धित स्कीमों को जोर– ाोर से चलाया जा रहा है। फरीदाबाद के लिये एक जिला क्षय रोग नियंत्रण केन्द्र स्वीकृत किया गया है। मेरी सरकार, मार्च, 1983 तक जन्म दर कम करके प्रति हजार 30 तक लाने के उद्दे य से राश्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम , जोकि पूर्णतः सवैच्छिक आधार पर होगा, को सफलतापूर्वक कार्यान्वित करने के लिये भी वचनबद्व हैं स्वास्थय सुविधायें बढाने के लिये सरकार द्वारा दिये गये विभिन्न वचनों को ध्यान में रखते वर्श 1981–82 के लिये 700.00 लाख रूपये के परिव्यय का प्रस्ताव है, जबकि चालू वर्श में 604.00 लाख रूपये का उपबन्ध था।

ग्रामीण जनता के एक बड़े भाग द्वारा पेय जल प्राप्त करने में आ रही कठिनाईयों का पूरा ध्यान रखते हुये राज्य सरकार, ग्रामीण क्षेत्रों में पेय जल सुविधायें बढाने के लिये प्रभावी कदम उठा रही है। वर्श 1980–81 के दौरान ग्रामीण जल सप्लाई स्कीम के लिये 8.65 करोड़ रूपये का उपबन्ध किया गया था और 113 अतिरिक्त गांवों के 31 दिसम्बर, 1980 तक पेय जल की व्यवस्था की गई। आ ाा है कि 31 मार्च, 1981 तक 112 और गावं इस स्कीम के अन्तर्गत आ जायेगें। इस प्रकार वर्श 1980–81 के दौरान 225 गावं इस स्कीम के अन्तर्गत आ जायेगें जबकि लक्ष्य केवल 195 गांवों का रखा गया था। वार्शिक योजना, 1981–82 में 9.70 करोड रूपये का उपबन्ध किया गया है और लगभग 210 गांवों में पेय जल सुविधायें देने का प्रस्ताव है।

ग्रामीण विकास के विभिन्न पहलूओं पर वि ोश बल देते समय मेरी सरकार भाहरों ओर नगरों के विकास में भी पीछे नहीं है। वार्शिक योजना 1980–81 में भाहरी जल सप्लाई और मल–निकास स्कीमों के लिये 2.25 करोड यपये का उपबन्ध किया गया है। जगाधरी, यमुनानगर और सिरसा में भीघ्र ही नई भाहरी सम्पदांये स्थापति की जायेगी। मूल नागरिक सुविधायें जुटाने के मामलों में , उन गन्दी बस्तियों की और, जिमें भाहर के गरीब लोग और कारखानों के मजदूर रहते है, मेरी सरकार वि ोश ध्यान दे रही है। भरसक यत्न किया जायेगा कि उनके रहन–सहन की स्थितियांो को बेहतर बनाया जाये। भरसक यत्न किया जायेगा

कि उनके रहन–सहन की स्थितियों को बेहतर बनाया जाये। इस नि चय का प्रमाण यह है कि योजना आंबटन 1979–80 में 50 लाख रूपये से बढा कर 1980–81 में 70 लाख रूपये और 1981–82 में 80 लाख रूपये कर दिया गया है।

राज्य सरकार राज्य परिवहन द्वारा दी जाने वाली सेवाओं को लगातार बेहतर बनाने के लिये वचनबद्ध है। इस उद्दे य की प्राप्ति के लिये बसों की संख्या को तेजी से बढाया जा रहा है। यह संख्या 1979–80 के अन्त में 2400 थी जो 1981–82 के अन्त तक 2800 हो जायेगी। इस वर्श नये 60 'रूट' बढा दिये गये है तथा और बढाने का विचार है। 11 स्थानों पर आधुनिक बस अड्डे बनाये जा रहे है ओर 1981–82 में और अधिक बस अड्डों का काम भ्ारू किया जायेगा। इस वर्श 100 से अधिक बस ''क्यू भौल्टर'' बनाये गये है और अगले वर्श भी लगभग इतनी ही संख्या में बस '' क्यू भौल्टर' बनाने का विचार है।

जैसा कि मैने पहले ही कहा है, राज्य सरकार ने अनूसूचित जातियों, पिछडें वर्गों ओर अन्य कमजोर वर्गों की समाज में सम्मानित स्थिति बनाने के लिये उनकी आर्थिक तथा समाजिक अवस्ाि को सुधारने का नि चय किया हुआ है। उनकी आर्थिक एवं भौक्षिक उन्नति और बेहतर हैसियत को सुनि चित करने के लिये बहुत सी स्कीमें कार्यान्वित की जा रही है। वर्श 1980–81 की वार्शिक योजना में ि ाक्षा के क्षेत्र में वजीफे, फीस

माफी, अनूसूचित जाति की छात्राओं को योग्यता छात्रवृतियां, मैट्रिकोत्तर, छात्र–वृत्तियां, पुस्तक अनुदान, वि ोश प्र ि ाक्षण कक्षाओं आदि स्कीमों के लिये 185.00 लाख रूपये का उपबन्ध है। हरियाणा हरिजन कल्याण निगम का अपनी विभिन्न ऋण सुविधाओं के अधीन वर्श 1980–81 के दौरान 5000 परिवारों को लाभ पहुंचाने का प्रस्ताव हैं निगम का वर्श 1981–82 के दौरान 10000 परिवारों को निजी धन्धे चलाने के लिये वित्तीय सहायता देने का प्रस्ताव है और इस कार्य के लिये 2 करोड रूपये का उपबन्ध किया गया है।

हम अन्तर्राश्ट्रीय विंकलाग वर्श के पहले से ही प्रवे ा कर चुके है। वर्श के दौरान, नेत्रहीन, गूंगे बहरे और अन्य विकलांग व्यक्तियों की और इस विचार से अधिकतम ध्यान दिया जायेगा ताकि उनकी आर्थिक और सामाजिक स्थिति में सुधार लाया जा सके। विकलांग व्यक्तियों की समस्याओं का जायजा लेने के लिये राज्य भर में विकलांग व्यक्तियों की समस्याओं का जायजा लेने के लिये राज्य भर में विकंलाग व्यक्तियों का सर्वेक्षण किया गया है तथा मुख्य मंत्री महोदय की अध्यक्षता में विकलागों के लिये एक राज्य स्तरीय समिति का गठन किया गया है। मेरी सरकार ने सरकारी सेवाओं की श्रेणी III तथा IV के पदों की 3 प्रति ात रिक्तियां नेत्रहीन, गूंगे–बहरे तथा भाारीरिक तौर पर विकलांग व्यक्तियों के लिये आरक्षित की है। इसके अतिरिक्त, मेरी सरकार द्वारा नेत्रहीनों के लिये अन्य विभिन्न सुविधायें भी घोशित

की गई है, जैसे तदर्थ कर्मचारियों को, जिन्होनें सन्तोशजनक रूप से सरकारी सेवा का एक वर्श पूरा कर लिया हो, नियमित करना, ''ब्रेल'' प्रणाली की पुस्तकों के पुस्तकालयों की स्थापना करना राज्य भर में हरियाणा रोडवेज की गाडियों में नि ाुल्क यात्रा, सरकारी मकान मिलने में प्राथमिकता देना, इत्यादि।

हरियाणा पर्यटन निगम ने राजय भर में फैले पर्यटक केन्द्रो की श्रृखंला में दो नये पर्यटक केन्द्र– सिरसा तथा आसाखेड़ा बढा दिये है। पर्यटकों की बढती हुई संख्या को ध्यान में रखते हुये उन्हे आराम पहुंचाने के उद्दे य से चालू वित्त वर्श के अन्त तक बड़खल झील सूरजकुंड, सोहना होडल, गुडंगावं तथा फरीदाबाद पर्यटक केन्द्रों में और कमरे बढाये जा रहे है। नागरिक उड्डयन विभाग राज्य में नागरिक उड्डयन गतिविधियों के विकास के लिये निरन्तर कर रहा है। लडकियों तथा अनूसूचित जातियों के उम्मीदवारों को उत्यन्त रियायती दरों पर उड़न–प्रि ाक्षण दिया जा रहा है। पिंजौर में एक पक्की हवाई पटटी तथा वर्क ाीप का निर्माण लगभग मुकम्मल हो गया है। इसके अतिरिकत, भारत सरकार के साथ पराम र्ा से रोहतक में हवाई पट्टी बनाने के लिये स्थान का सर्वेक्षण किया गया है।

निरनतर औद्योगिक वृद्धि के लिये भाान्ति का वातारवण अनिवार्य है, जो तब तक सम्भव नही है जब तक कि श्रमिकों के हितों को ठीक से समझा न जाये और उनकी सुरक्षा न की जाये। मेरी सरकार द्वारा किये गये विभिन्न उपयों का यह पत्यक्ष परिणाम

है कि चालू वर्श के दौरान समूची श्रम स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। लगभग सभी व्यवसाओं में मजदूरी की न्यूनतम दरें उपभोक्ता मूल्य सूचकांक से जोड दी गई है, जिसके आधार पर इस समय सभी अनुसूचित व्यवसायों मे न्यूनतम मजदूरी 253.50 से 272.50 रूपये प्रति मास हैं श्रम विभाग ने कामगारों द्वारा श्रम न्यायालायों ओर औद्योगिक न्यायधिकरणों में अपनी मौलिक मांगों को प्राप्त करने के लिये कानूनी सहायता देने की स्कीम बनाई हैं।

आम लोगों के जीवन–स्तर को उन्नत करने का प्रयत्न करने के साथ–2, मेरी सरकार अपने कर्मचारियों की आव यकताओं तथा आकांक्षाओं के प्रति भी पूर्ण रूप से जागरूक है जो विभिन्न स्तरों पर सरकार के विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों को पूरा करने में लग गये है। राजय में कर्मचारियों के विभिन्न वर्गों के वेतनमान 1.4.1979 से सं ाोधित किये गये हैं मेरी सरकार ने 1.1.1980 से विभिन्न वेतनमानों में कर्मचारियों को देय मकान किराया भत्ता की दर भी बढा दी हैं इसके अतिरिक्त, हिसार में नियुक्त कर्मचारियों को भी प्रथत बार नगर प्रतिकर भत्ता दे दिया गया है। सेवारत कर्मचारियों को दी गई सुविधाओं के अतिरिक्त, मेरी सरकार ने पुराने पैं नभोगियों तथा 1.4.1979 के बाद सेवा निवृत होने वालों को पैं ान के एक भाग को 'कम्यूट' करता है और उसके बदले इक्ट्ठी रा ि ा प्राप्त करता है तो वह 70 वर्श की आयु पूरा कर लेने के प चात पैं ान की पूरी रा ि ा की बहाली का अधिकारी होगा।

मेरी सरकार ने लोगों को, वि ोशतः ग्रामीण क्षेत्रों में और उन क्षेत्रों में जहां पर मजदूरों की आबादी है, सस्ते दामों पर आव यक वस्तुओं की निरन्तर सप्लाई को सुनि ित करने के लिये अनेको कदम उठाये हैं गेहूं, चावल, चीनी ओर मिट्टी का तेल राज्य में फैली 5213 सस्ते मूल्य की दूकानों के माध्यम से वितरित की जा रही है। सस्ते मूल्य का कपडा, साबुन, नमक, खाद्य तेल, चाय , दालें, दियासिलाईयां अभ्यास पुस्तिकायें, टायर तथा ट्यूब आदि जैसी आव यक वस्तुयें उपभोक्ता सहकारी भण्डारों और मिनी बैंको के माध्यम से बेची जा रही है। पांच हजार या इससे अधिक आबादी वाले सभी गांवां में सहकारी संस्थाओं के माध्यम से आव यक वस्तुओं की सप्लाई का प्रबन्ध किया जा चुका हैं आ ाा की जाती है कि चालू सहकारी वर्श की समापित तक 2000 तथा अधिक जनसंख्या वाले सभी 1600 गांवों में यह सुविधा उपलब्ध हो जायेगी।आव यक वस्तुओं में चोर–बाजरी के उन्मूलन के लिये जोरदार अभियान चलाया गया है तथा विभिन्न ''नियन्त्रण आदे ाों'' के अन्तर्गत नियत संग्रहण सीमा को सख्ती से लागू करने के लिये जमाखोरी समाप्त करने के उपायों को तेज किया गया है।

यह हम सब क`लिये संतोशप्रद है कि चालू वर्श के दौरान राजय में कानून और व्यवस्था की स्थिति नियंत्रण में रही है और इस सम्बन्ध में किये गये अनेक उपायों से न केवल सरकार की छवि बेहतर बनी है, अपितु यह उपय लोगों में वि वास पैदा

करने का साधन भी बने है। अनूसूचित जातियों और अन्य कमजोर वर्गों की ि ाकायतों का भीघ्रता से निपटान करने के लिये वि ोश प्रयास किये गये है। वर्श के दौरान फरीदाबाद में एक नया सै ानस डिवीजन बनाया गया है। इसके अतिरिक्त, रोहतक, गुडगांव, फरीदाबाद तथा सोनीपत जिलों का एक नया पुलिस रेंज बना दिया गया है, जिसका मुख्यालय गुडंगांव है। वर्श के दौरान नये थानों में लगाने तथा अन्य पहरे व चौकसी के कार्यों के लिये एक उप–अधीक्षक पुलिस, 3 निरीक्षकों, 9 उप–निरीक्षकों, 17 सहायक उप–निरीक्षकों, 45 मुख्य सिपाहियों तथा 462 सिपाहियों के अतिरिक्त पद स्वीकृत किये गये है।

माननीय सदस्यगण, गत पैरों में मैने जो कुछ कहा है कि वह इस सफलता का प्रमाण है जो सरकार ने जनता को दिये गये अपने वादों को पूरा करने में प्राप्त की हैं यदि वित्तीय कठिनाईयों न होती तो हम उससे भी कहीं अधिक कर पाते जो कि हम वास्तव में कर पाये है। हमारे योजनाकारो द्वारा अनुमानित विकास की दर को बनाये रखने के लिये हमें साधन जुटाने पडेंगें तथा राजस्व प्राप्तियों को बएाने के लिये, कर चोरी रोकने तथा सभी स्तरों पर बचत करने के लिये पग उठाने होगें। फिर भी विभिन्न करों की वसूली के समय इस बात का पूरा–पूरा ध्यान रखा जायेगा कि हमारा करों का ढांचा, व्यापार और वाणिज्य पर अनुचित प्रतिबन्ध न बन जाये। इसे दृश्टि में रखते हुये बिक्री कर ढांचे एंव प्रकिया का अध्ययन करने के लिये एक कराधान समीक्षा

समिति का गठन किया गया है और इसकी कुछेक सिफारि ें पहले ही मेरी सरकार द्वारा कार्याविन्त की जा चुकी है।

मैं हरियाणा की जनता, इस गरिमामय सदन में उनके प्रतिनिधियों तथा सभी स्तरों पर कार्य कर रहे कर्मचारियों को धन्यवाद देता हूं कि उन्होने राज्य में सामाजिक–आर्थिक स्थिति के नया रूप देने में मेरी सरकार को पूर्ण सहयोग दिया। मुझे इस में तनिक भी भांका नहीं है कि हम सबके सामूहिक प्रयासों से हमारे राज्य का भविश्य भाानदार और समृद्ध होगा। आइये, हमसब राजय के सर्वागीण विकास को बढ़ावा देने के लिये ओर निर्धन एंव पद–दलित वर्ग की द ा सुधारने के लिये सद्भावना और सहयोग से एकत्रित हो कर पुनः कार्य में जुट जाये।

जय हिन्द

भाोक प्रस्ताव

श्री अध्यक्षः अब एक मंत्री महोदय भाोक प्रस्ताव रखेंगें।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, यह सदन सोवियत संघ के भूतपूर्व प्रधान मंत्री श्री अलैक्सी कोसीगन के 18 दिसम्बर, 1980 को हुये दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री कोसीगिन की जन्म सोवियत संघ में लेनिनग्राड में 20 फरवरी 1904 को हुआ। वह कई श्रम संगठनों से सम्बन्धित

थे। 1940 से 1946 तक वह दे ा की पीपल कोमीसार्ज के उपाध्यक्ष और फिर अध्यक्ष रहे। उन्होने 1948 में वित्त मंत्री, 1949 से 1953 तक लघु उद्योग मंत्री और 1953–54 के दौरान उपभोग वस्तु उत्पादन मंत्री के पद पर कार्य किया। बाद में वह कुरू ाचेव मन्त्रिमंडल में पहले उपप्रधान मंत्री बने। सन 1964 से 1980 तक वे प्रधान मंत्री रहे। 1980 में स्वास्थ्य ठीक न रहने के कारण उन्होनें प्रधान मंत्री के पद से त्यागपत्र. दे दिया। प्रधान मंत्री पद पर रहते हूये उन्होनें सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी के कई उच्च पदों का कार्यभार भी सम्भाला।

श्री कोसीगिन भारत के घनिश्ट मित्र थे और उनके भारत के प्रधान मन्त्रियों के साथ गहरे व्यक्तिगत सम्बन्ध रहे। उन्होने भारत व पाकिस्तान के बीच ता ाकन्द समझौता कराने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्री कोसीगिन ने भारत–सोवियत सहयोग के नये क्षेत्रों का विकास किया तथा भारत में बोकारो–स्टील प्लांट लगाने के सोवियत निर्णय का श्रेय उन्हीं को जाता है।

उनके निधन से भारत ने एक महान मित्र और भाान्ति की नीतियों के समर्थक को खो दिया है। यह सदन दिंवगत आतमा के भाोकाकुल परिवार के सदस्यों और सोवियत संघ की जनता को अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री और प्रसिद्ध न्याय भाास्त्री श्री मोहम्मद करीम छागला के 9 फरवरी, 1981 को हुये दुखद निधन पर हार्दिक भाोक प्रकट करता है।

श्री छागला का जन्म 30 सितम्बर, 1900 को हुआ। उन्होने अपनी ि ाक्षा सेंट जेवियर कालेज, बम्बई और लिंकन–इन्न आक्सफोर्ड से प्राप्त की। 1922 में इन्नर टैम्पल से उन्होने वकालत मे ंप्रवे ा किया। सन 1927 से 1930 राजकीय कालेज, बम्बई में कानून के प्रौफेसर के रूप में कार्य किया। उन्होनें 1941 से 1947 तक बमबई हाई कोर्ट में न्यायाधी ा तथा सन् 1947 से 1958 तक मुख्य न्यायाधी ा के पद का दायित्व निभाया। वह 1947 में बम्बई वि ववविद्यालय के कुलपति नियुक्त हुये। सन् 1955 से 1958 वक वह विधि आयोग के सदस्य रहे । प्रसिद्ध न्याय– ाास्त्री श्री ंछागला वर्श 1957 में वि व न्यायालय, हेग के न्यायाधी ा रहे। वह 1958 मे जीवन बीमा निगम जांच आयेाग के अध्यक्ष बने। इसी वर्श उन्हें अमेरिका, मैक्सिकों और क्यूबा में राजदूत नियुक्त किया गया और 1961 तक वह इस पद पर रहें 1961 में अकाली विवाद को निपटाने के लिये वह दास अयोग के सदस्य नियुकत हुये। उन्होने 1962–63 में इंग्लैंड में उच्चायुक्त और आयरलैंड में राजदूत के रूप में कार्य किया।

श्री छागला केन्द्रीय मंत्रीमंडल में 1963 से 1966 तक ि ाक्षा मंत्री तथा 1966–67 में विदे ा मंत्री रहे। उन्हें दे ा प्रेम, न्याय तथा स्ंवतन्त्रता से गहरे लगाव के कारण बहुत सम्मान

मिला। उन्होने का मीर मामले पर संयुक्त राश्ट्र सुरक्षा परिशद में भारतीय ि िाश्ट मंडल का नेतृत्व किया। इसके साथ ही उन्होनें कामनवैल्थ ि िक्षा कान्फैस, औटावा, 1964–65 मे ंपैरिस में आयोजित यूनैस्कों की जनरल कान्फ्रैंस और 1967 में संयुक्त राश्ट्र महासभा में भारतीय ि िाश्ट मण्डल का नेतृत्व किया। 1964 से 1967 तक वह राज्य सभा के सदन के नेता रहे।

कई भारतीय और विदे ाी वि वविद्यालयों ने श्री छागला को एल0एल0डी0 की मानद उपाधियां दी। उन्हें 1979 में मानव अधिकारों की वि ि िाश्ट सेवा के लिये यूनैस्कों पुरस्कार मिला। प्रसिद्ध न्याय भाास्त्री श्री छागला ने विभिन्न विशयों पर पुस्तकं लिखी जिनमें से कुछ के नाम इस प्रकार हैः ''भारतीय संविधान'' ''ऐन ऐम्बैसेडर स्पीकस'' ''एजुके ान एण्ड दी ने ान' और 'रोजिज इन दिसम्बर'।

उनके निधन से दे ा एक धर्मनिरपेक्षता की भाानदार मूरत, प्रमुख न्याय– ाास्त्री, कु ाल राजनीतिज्ञ और अनुभवी सांसद खो बैठा है। यह सदन दिवंगत के भाोकाकुल परिवार के सदस्यों को अपनी दिल्ली हमदर्दी प्रकट करता हैं।

यह सदन श्रीलंका के भूतपूर्व राश्ट्रपति श्री विलियम गोपालवा के 30 जनवरी, 1981 को हुये दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री विलियम का जन्म श्रीलंका के डलेबा मटेल नामक स्थान पर 17 सितम्बर, 1897 को हुआ। वह 1924 में सर्वोच्चय न्यायालय के अटार्नी–एट–ला बने। वह 1927 से 1939 तक मटेल भाहर परिशद के सदस्य तथा अध्यक्ष रहे। उन्होने सन् 1939 से 1957 तक कैंडी और कोलम्गों के म्यूनिसिपल कमि नर का दायित्व निभाया। वह 1956 से 961 तक पीपल्स रिपब्लिक आफ चाइना, 1961 और 1962 मे अमेरिका, क्यूबा तथा मैक्सिकों में राजदूत रहैं उन्होने 1962 से 1972 में श्रीलकां गणराजय के प्रथम राश्ट्रपति बने तथ इस पद पर 1978 तक रहे।

यह सदन दिंवगत के भाोकाकुल परिवार के सदस्यों को अपनी हार्दिक संवेदना भेजता है।

यह सदन असम के भूतपूर्व मुख्यमंत्री एवं भुतपूर्व राजयपाल, मद्रास राज्य, श्री विश्णु राम मेधी के 21 जनवरी, 1981 को हुये दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री मेधी का जन्म अप्रैल 1888 में असम के कामरूप जिले के गांव हाजों में हुआ। उन्होने एम0एल0सी0 और कानून की योग्यता प्रैजीडेंसी कालेज, कलकत्ता ओर ढाका से प्राप्त की। सन् 1915 में उन्होने गोहाटी में वकालत भाुरू की। असहयोग आन्दोलन में वह 1920 में समिम्लित हो गये और इस आन्दोलन में भाग लेने के कारण उन्हे 1921 में जेल की यातनाये सहनी पडी। सन् 1938 में वह स्थानीय बोर्ड, गोहाटी के सदस्य ओर अध्यक्ष

तथा 1946 में असम राजय विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुये। श्री मेधी ने 1946 में असम के वित्त तथा राजस्व मंत्री के रूप में कार्य किया। वह 1950 में असम के मुख्य मंत्री बने और 1957 में इस पद से त्यागपत्र दे दिया। उन्होनें 1958 से 1964 तक मद्रास राजय के राजयपाल का पद सु ाोभित किया।

उनके निधन से दे ा एक महान स्वतन्त्रता सेनानी एवं अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोकाकुल परिवार के सदस्यों को अपनी हार्दिक संवेदना भेजता है।

यह सदन राजय सभा के सदस्य श्री सी0 वैंकटराव के 5 जनवरी, 1981 को हुये दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री सी0 वैंकटराव का जन्म 1931 में आन्ध्रपद्रे ा के गणटूर जिले में नानलीकालू नामक स्थान पर हुआ। उन्होने अपनी ि ाक्षा विजयवाडा ओर मद्रास में प्राप्त की। उन्होने बहुत–सी ि ाक्षा संस्थाओं और सामाजिक संगठनों की स्थापना की। उन्होने गरीब लेागों के कल्याण–कार्यो में गहरी रूचि ली।

श्री सी0 वैंकटराव अप्रैल, 1978 में राज्य सभा के लिये चुने गये थे। राज्य सभा में अपने दो वर्श के थोड़े समय में उन्होनें संसद की कार्यवाही में महत्वपूर्ण भाग लिया और अपने कार्य के लिये सम्मान प्राप्त किया।

यह सदन दिंवगत के भाोकाकुल परिवार के सदस्यों से अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के भूतपूर्व न्यायाधी ा श्री एस0बी0 कपूर के 23 दिसम्बर, 1980 को हुये दुखद निधन पर गहरा भाोक करता है।

श्री एस0 बी0 कपूर का जन्म 15 जनवरी, 1907 को हुआ। उन्होनें अपनी ि ाक्षा इलाहाबाद और आक्सफोर्ड वि वविद्यालय से प्राप्त की तथा बैरिस्टर बने। सन 1931 में उन्होने इंडियन सिविल सर्विस में प्रवे ा किया। वह दिल्ली मे जिला एवं सै ान जज तथा भारत सरकार के कानून मंत्रालय में विधि सलाहकार और संयुक्त सचिव रहे। उन्होनें अगस्त 1957 से जनवरी 1969 तक पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के न्यायाधी ा पद को सु ाोभित किया।

उनके निधन से दे ा ने एक प्रमुख कानूनदान खो दिया है। यह सदन दिंवगत के भाोकाकुल परिवार के सदस्यों को अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन पंजाब के विधायक सरदार जसमत सिंह ढिल्लों के 24 दिसम्बर, 1980 को हुये दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

सरदार जसमत सिंह का जन्म 20 दिसम्बर, 1938 को लाहौर में हुआ। उन्होनें अपनी ि ाक्षा फरीदकोट और अमृतसर में

प्राप्त की। वह 1980 में फरीदकोट चुनाव क्षेत्र से पंजाब विधान सभा के लिये चुने गये।

सरदार ढिल्लों एक अच्छे वक्ता और प्रमुख सासंद थे। सहकारी आन्दोलन और ि ाक्षा के प्रसार में उनकी गहरी रूचि थी। उनहोने पंजाब सहकारी बैंक के अध्यक्ष पद का दायित्व निभाया तथा 1971 में मास्कों में अन्तर्राश्ट्रीय सहकारी कांग्रेस में भी भाग लिया। वह द ामे ा पब्लिक स्कूल के ट्रस्टी और बाबा फरीद महिला कालेज, फरीदकोट की वर्किंग कमेटी के सदस्य थें। वह 1963 से 1965 तक भारत सेवक समाज के अध्यक्ष रहैं। सन् 1970–71 और 1973 से 1976 तक वह ि ारोमणि अकाली दल की कार्यकारिणी समिति के सदस्य रहे।

उनके निधन से दे ा एक प्रमुख प्रेमी, समाज सुधारक और सांसद की सेवाओं से वंचित हो गयाहै। यह सदन दिवंगत के भाोकाकुल परिवार के सदस्यों को अपनी हार्दिक संवेदना भेजता है।

यह सदन पंजाब के भूतपूर्व विधायक एंव प्रमुख पत्रकार श्री राजेन्द्र सिंह के 9 जनवरी, 1981 को हुये दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री राजेन्द्र सिंह का जन्म 15 अक्तूबर, 1928 को हुआ। उनहोने छात्र अवस्था से ही आजादी के आन्दोलन में भाग लिया। वह 1954–55 और 1955–56 के दौरान ि ारोमणि अकाली दल के

महामंत्री थे। सन् 1965 में वह पंचायती राज अध्ययन टीम के अध्यक्ष बने। वह श्रमजीवी पत्रकार संघ के तीन वर्श तक प्रधान रहे।

श्री राजेन्द्र सिंह पंजाबी सूबा आन्दोलन के सिलसिले में तीन बार जेल गये। वह 1956 में कांग्रेस पार्टी में सम्मिलित हुये। सन 1957 में वह पंजाब विधान सभा के लिये चुन गये और अप्रैल , 1966 में पंजाब विधान परिशद के लिये लोकल अथारिटी निर्वाचन क्षेत्र, संगरूर से सदस्य बने। उन्होने 1954, 1956 और 1960 में कई एि ायन और यूरोपीय दे ाों की भी यात्रा की।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी पत्रकार तथा सांसद की सेवओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के दुखी परिवार के सदस्यों से हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है।

यह सदन श्रीमती सावित्री देवी, धर्मपत्नी श्री भगवत दयाल भार्मा राज्यपाल मध्यप्रदे ा एवं भूतपूर्व मुख्य मंत्री हरियाणा के दिनाकं 26 फरवरी, 1981 को हुये दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्रीमती भार्मा का जन्म आज से लगभग 60 वर्श पूर्व हांसी न्नर में हुआ। उनहें आरमी से ही श्रमिक आंदोलन तथा मजदूरों के कल्याण में गहरी रूचि थी। अपने पति पं. भगवत दयाल भार्मा को उनहोने स्वतन्त्रता संग्राम में भग लेने में पूरी प्रेरणा दी तथा उन्हें पारिवारिक उलझनों से मुकत रख कर राश्ट्र

`वा में निरन्तर सहयोग दिया। श्रीमती भार्मा का जीवन उदारता और सेवा भाव का श्रेश्ठ उदाहरण था। आपने न केवल अपने प्रदेश हरियाणा में बल्कि उड़ीसा और मध्यप्रदे ा में महिला एवं बाल–कल्याण कार्यों में गहरी रूचि ली।

यह सदन दिवंगत के भाोकाकुल परिवर के सदस्यों की अपनी हार्दिक संवेदना भेजता है।

यह सदन भूतपूर्व संसद सदस्य सर्वश्री होती लाल अग्रवाल, एम0बी0एल0 भार्गव, मुहम्मद लतीफ–डर–रहमान, अर्जुन अरोड़ा, जी0 के0 सिन्हा तथा श्रीमती तारा गोविन्द सपडे और कर्नाटक विधान सभा की उपाध्यक्ष श्रीमति सुनीथि मधिमन के दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगत आत्माओं के भाोकाकुल परिवारों के सदस्यों को अपनी हार्दिक संवेदना भेजता है।

श्री मूल चन्द जैन(सम्भालखां): अध्यक्ष महोदय, लीडर आफ दि हाउस ने जिन दिंवगत आत्माओं के निधन पर भाोक प्रस्ताव इस हाउस में पे किया है, मैं भी उसका समर्थन करने के लिये खडा हुआ हू। मैं अपनी ओर से भी और अपनी पार्टी की आरे से भी उनके परिवारों के लिये अपनी संवेदना प्रकट करता हूं। जहां तक उनके जीवन का ताल्लुक है, उसके बारे में संक्षिप्त रूप में लीडर आफ दि हाउस ने यहां पर कुछ बातें बतायी है। मैं भी कुछ एक दो बातें एड करना चाहता हूं। जहां तक श्री

कोसिगिन का सम्बन्ध है, इसमें कोई मुगालता नहीं है कि उनके दिल में हिन्दुस्तान के प्रति बहुत अच्छी भावना थी। जब तक वह अपने दे ा में सत्ता में रहे, हर मौके पर उन्होने हिन्दुस्तान की मदद की। हिन्हदुस्तान की हिस्टरी मे ऐसे कई मौके आये जब हमारा दे ा संकट में था और रूस ने बिना किसी गरज के हमारे दे ा की मददउ की। का मीर का मामला जब आया तो यूनाइटिड ने ान्ज में अगर उसे बीटो पावर इस्तेमाल करने की जरूरत पडी तो उसने हमारे हक में वीटो पावर का इस्तेमाल किया। जहां तक हिन्दुस्तान में कारखाने लगाने कासवाल है यहां पर तो सिर्फ एक बोकारो का ही जिक आया है, हो सकता है कोसिगन साहब का पर्सनल इन्ट्रैस्ट इसमें रहा हो लेकिन कितने ही दूसरे ऐसे कारखाने हमारे हिन्दुस्तान में लगे है जिनमें रूस ने मदद की हुई हैवं उसने यह मदद बिना किसी प्रकार के भाोशण की भावना दिल में लाते हुये की है। रूस के लीडरों ने मौके मौके पर जब कभी हमारे दे ा को मदद की जरूरत पडी है, मदद की है। इसलिये ऐसे दे ा के एक महान नेता के निधन पर कुदरती तौर पर हमें ऐसा लगता है कि हमारा एक निकट का मित्र हमसे जुदा हो गया है। हम उनके निधन पर गहरा भाोक प्रकट करते है।

जहां तक छागला साहब का सम्बन्ध है, मैं समझता हूं कि वाकई इनके निधन से सारे भारत को ही नहीं बल्कि सारी मानवता को नुकसान हुआ हैं छागला साहब एक तरह से इस दे ा

में जितनी भी कल्चर्ज है, चाहे वह मुस्लिम कल्चर हैया हिन्दु कल्चर है या कोई दूसरा कल्चर है, उनके बारे में यह स्पश्अ तौर पर कहा जा सकता है कि वे सब कल्चर्ज के प्रतीक थे यानि वे एक म्पोजिट कल्चर थे। आदमी कितनी ही उनकी भौतिक उपलबधियों के बारें मे ंसोच सकता है। कानून के अदायरें में वे बम्बई हाई कोर्ट के पहले जज हुये और चीफ जस्टिस हुये। न सिर्फ हिन्दुस्तान में ही वे जज रहे बल्कि उनहोने वि व न्यायालय में भी कार्य किया। फिर जब एग्जैक्टिव में आये तो भारत सरकार में पहले एजुके ान मिनिस्टर बने फिर फारेन मिनिस्टर बने। मेरा कहने का मतलब यह हे कि जीवन के हर पहलू के हिसाब से कोई भी ऐसा पद नहीं था जो उन्होने ग्रहण न किया हो। इतना ही नहीं उन्होने उसे निहायत ही भाानदार तरीके से निभाया भी था। स्पीकर साहब, मै ंइस हाउस को रिमाइन्ड कराना चाहता हूं कि 1977 में जब दे ा एक संकट में से गुजरा, तब इस महापुरूश ने एमरजैन्सी के दिनों में उसके खिलाफ एक बडा भारी स्टैंड लिया। यानी जो मानवता की वैलयूज हैख उन वैल्यूज के समर्थन में और उनको आगे ले जाने में कभी भी उनहोनें सकोच नही किया और इस बात की परवाह बिल्कुल भी नहीं की कि हाकिम नाराज होता है या प्रैजेन्ट गवर्नमेंट नाराज होगी। वे बिना किसी बात की परवाह किये ठीक बात के लिये हमे ाा समथ्रन देते रहे। ऐसा महसूस होता है कि उनके निधन से सारे हिन्दुस्तान को ही नहीं अपितु सारी मानवता तथा हमस ब का बडा भारी नुकसान हुआ है मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की और से उनके परिवार के

प्रति संवेदना प्रकट करता हूं। और इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं। स्पीकर साहब, फ्रीडम फाइर्टज की पीढी धीरे–धीरे हमारे दे ा से अब उठ रही है। मेरे जैसे आदमी को इस बात का बडा अफसोस होता है कि ऐसे लोग जिन्होने अपना जीवन इस दे ा की आजादी की लडाई में गुजारा , जेलो मे ंगये, वह पीढ़ी अब खत्म हो रही है। उन्होने हमारे सामने कुछ वैल्यूज रखी और कुछ मान्यतायें रखी। मुझे अफसोस इस बात का है कि वे वैल्यूज धीरे–धीरे खत्म हो रही है। भाोक प्रस्ताव तो हर बार हर सै ान में आता ही है। मैने पहले भी कई बार भोक प्रस्ताव पर बोलते हुये कहा है और अब भी यही कहता हूं कि इस प्रस्ताव को पास करने का हकीकी तौर पर तब फायदा होगा जब हम इन जाने वालों की जीवनियों से कुछ सबक सीखें ओर उन्हे अपने जीवन में अपनाये, अगर हम इन दिवगत आत्माओं के जीवन से कुछ सीखे और सीखकर उन मान्यताओंको अपनाये ंतो मैं समझता हूं कि इसका असली मकसद पूरा होगा और हम सबको फायदा होगा।

श्री वैंकट राव राज्य सभा के मैम्बर थे। उनके निधन से हमें बड़ा दुख हुआ है।

इसी तरह से श्री कपूर साहब का भी मेरे से सम्बन्ध रहा हैं वह पंजाब हाई कोर्ट में जज होते थें वे पंजाब व हरियाणा हाई कोर्ट बनने से पहले इसके जज बने। इसके बाद उन्होने 12–13 साल तक इस पद पर बडे भाानदार तरीके से कार्य किया।

स्पीकर साहब, निजी तौर पर श्री ढिलों के निधन का मुझे बडा अफसोस है। ऐसे नौजवान को ऐक्सीडेंट मे ंचोट लगी या पता नहीं डाक्टर से टीका गलत लग गया लेकिन वास्तव में उनकी मृत्यु से उनके परिवार को इररिपेयरेबल लौस हुआ है और जो लोग उनको जानते है उनको भी श्री ढिल्लों की मृत्यु का बहुत दुख है।

स्पीकर साहब, श्री राजेन्द सिंह से मेरे पर्सनल सम्बन्ध थें वे बहुत ही उंचे किस्म के व्यक्ति थे। उनकी मृत्यु का भी हम सब को काफी अफसोस है।

श्रीमती सावित्री देवी ने अपने पति पंडित भगवत दयाल के जीवन में बहुत अधिक साहयोग दिया और जन सेवा के लिये इस देवी ने अपने पति को बिल्कुल बेफिकर कर दिया था । मुझे तो उनके स्वर्गवास होने का यकी नही नहीं आया क्योकि उनका स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक था। ऐसा मालूम होता है कि उनको हार्ट अटैक हो गया।

स्पीकर साहब, लीडर आफ दी हाउस ने जो भाोक प्रस्ताव पे ा किया है मैं उस प्रस्ताव में समिम्लित होता हूं और अपनी श्रद्धांजलि उन आत्माओं को पे ा करता हूं।

डा0 मंगल सैन (रोहतक): अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री महोदय ने सदन में लोक सम्पर्क विभाग की औार से जो दिंवगत आत्मायें इस संसार से चली गई, उनके बारे में दिये गये भाोक

प्रस्ताव को हमारे सामने पढ कर सुनाया। अध्यक्ष महोदय, यह जो प्रस्ताव रखा गया है, मैं उसका समर्थन करता हूं। अध्यक्ष महोदय, सोवियत संघ के भुतपूर्व प्रधान मंत्री का भी नाम इन दिवंगत आत्माओं में है। इस बात से बडा ही दुख होता है कि इतने बडे आदमी बीमार होते है ओर उनकी बीमारी के बारे में अखबारों में कुछ नहीं छपता। स्पीकर साहब, जो फ्री सोसायटीज है अगर वहां कोई बीमार हो जाता है तो वहां के अखबारों में बीमारी के बारे में छप जाता है और पूरी जानकारी प्राप्त हो जाती है। लेकिन इनका दिंवगत होने के बाद पता लगा। हमारे दे ा के साथ और दूसरे दे ाों के साथ इनके कैसे संबंध रहे, स्पीकर साहब इस वक्त यह कोई चर्चा का विशय नहीं है। उन्होने आडे वक्त में हमारा साथ भी दिया ओर कई प्रकार की सलाह भी दी होगी लेकिन आज संसार में जो घटनायें घट रही है और कई दे ाों को पददलित किया जा रहा है वहां की जनता को दास बनाया जा रहा है और अध्यक्ष महोदय, हालत यह है कि भारत की आजादी को भी खतरे वाली बात हो रही है। स्पीकर साहब, इस समय इस तरह की बात कहने का मोका तो नहीं है इसलिये मैं इसको यहीं पर छोडता हूं।

स्पीकर साहब, लंका के भूतपूर्व राश्ट्रपति श्री विलियम गोपालवा का भी स्वर्गवास हुआ है। वे भी अपने जीवन में साधारण स्थान से उइ कर अपने दे ा के उच्चतम स्थान पर पहुंचे थे। वास्तव में उनका यह प्रयास बडा सराहनीय और मानव मात्र के

लिये आद र्ा तथा प्रेरणादायक है। उनके निधन पर यह सदन गहरा दुख प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, इन माहनुभावों में स्वर्गीय श्री छागला का नाम भी लिखा हुआ है। स्पीकर साहब, दिसम्बर महीने में अपने राजनैतिक दल के वार्शिक अधिवे ान में मैं बम्बई गया था। वहां मैने उनके अन्तिम द र्ान किये थे। अध्यक्ष महोदय, वे वृद्ध अव य थे परन्तु उनकी वाणी में नौजवानों वाला जो ा था। वे भारत की 65 करोड़ जनता के प्रतीक थे। उन्होने बम्बई में कहा था कि भारत की आजादी को प्राप्त करने की लडाई एक पीढी ने लडी थी लेकिन आजादी को कायम रखने की लडाई आपने लड़नी है। स्पीकर साहब,, उनके गुणों की जितनी भी प्रंसं ाा की जाये वह थोडी है। अध्यक्ष महोदय, यू0एन0ओ0 में खडे होकर जब उनहोने भाशण दिया तो निसंकोच भाव से उन्होने कहा था कि मैं मुस्लिम जरूर हूं लेकिन मेरी रेस आरयन है। आरयन कौम से मेरा संबंध है। मेरी उपासना इसलाम की हो सकती है लेकिन मेरा संबंध आरयन कौम से है। अध्यक्ष महेादय, मैने अपने कानों से सुना था, उन्होने कहा था कि हमारा दे ा कितना अभागा है कि टू ने ान थयोरी के बेस पर दे ा का बंटवारा हुआ और उसके बावजूद आज मैजोरिटी और माइनोरिटी का बावेला मचाया जा रहा है। जब मैनें उनके ये भाब्द सुने तो मुझे बडी खु ाी महसूस हूई। अध्यक्ष महोदय, ये उनकी अन्तर्रात्मा के भाब्द थे। वह बडा निर्भीक व्यक्ति था। मैने लेाक सम्पर्क विभाग भाब्द का प्रयोग किया।

स्पीकर साहब, अगर यह विभाग थोडा प्रयत्न करता तो ओर भी जानकारी श्री छागला के बारे में मिल सकती थी। अध्यक्ष महोदय, वकालत पास करने के बाद श्री छागला मोहम्मद अली जिन्हा के जूनियर वकील या उनके सहयोगी वकील थे लेकिन जब जिन्हा ने पाकिस्तान की मांग की तो श्री छागला ने उनका साथ छोड दिया। आज हमें उस महापुरूश पर बडा भारी गौरव है जिसने इस दे ा की जनता के सामने इतना उंचा आद र्ा रखा। अध्यक्ष महोद, इस दे ा की मांओं ने ऐसे लालों को जन्म दिया है जिनके उपर यह दे ा गौरव करता है। स्पीकर साहब, स्वाधीनता के 34 वर्शो में यह दे ा इतना अभागा रहा है कि हमारे बीच में से इतने लोग उठते जा रहे ळे जो ऐसे वक्त में हमको दि ाा दे सकते थे। इनकी योग्यता और ि ाक्षा की चर्चा बहुत हो सकती है। वास्तव में महापुरूश अपने गुणों से पहचाने जाते हैं ऐसे व्यक्तियों के गयुणों की चर्चा तथा प्रस ाां जितनी भी की जाये उतनी ही थोडी है।

स्पीकर साहब, अभी विपक्ष के नेता बाबू मूलचन्द जैन जी ने श्री कपूर जो हाई कोर्ट के जज रहे, का जिक किया। अध्यक्ष महोदय, श्री कपूर बहुत ही भाानदार व्यक्ति थे और बहुत ही नियम तथा मर्यादा के व्यक्ति थे।

स्पीकर साहब, इसी प्रकार से श्री वेकंटराव जो राज्य सभा के सदस्य थे उनका भी स्वर्गवास हो गया है। स्पीकर साहब, सरदार जसमत सिंह पंजाब में विधायक थें वे भी बहुत ही अच्छे

व्यक्ति थे। यह बडे दुख और कश्अ की बात है कि वे इतनी छोटी उमर में इस संसार से हमसे जुदा हो गये।

स्पीकर साहब, श्री राजेन्द्र सिंह 1957 में जब पंजाब और हरियाणा एक था उस समय पंजाब में विधायक के रूप में चुनकर आये थे। स्पीकर साहब, मैनें उस नवयुवक को ट्रेजरी बैंचिज पर बैठे हुये देखा था। मै आज भी कांग्रेस के लोगों को ट्रेजरी बैंचिज पर बैठे हुये देखता हूं। स्पीकर साहब, आज तो कांग्रेसी है ही नहीं। अब तो हमारे मे से ही गये हुये कांग्रेसी बनने की कोि ा ा कर रहे है। अध्यक्ष महोदय, उनके द्वारा दी गई इवेलऐ ान कमेटी की रिपोर्ट आज भी लाईब्रेरी में पडी है। अध्यक्ष महोदय, सरदार राजेन्द्र सिंह ने जिला परिशदों ओर अन्य लेाकल बाडीज के बारे में जो रिपोर्ट दी वह उनकी हिम्मत और दिलेरी की मुह बोलती तस्वीर है उन्होने उस समय सरदार प्रताप सिंह और भीमसैन सच्चर की कोई परवाह नहीं की और जो कुछ उन्होने ठीक सम3झा वहीं रिपोर्ट दी। अध्यक्ष महोदय, बडे साहस के साथ उन्होने उस रिपोर्ट को हाउस में रखा और अध्यक्ष महोदय, उस समय की सरकार को उस रिपोर्ट के बारे में जवाब देना मुि कल हो गया। वे एक बहत बडे पार्लियामेंटरियन थे। वे विदे ाों में भी गये। वे अकाली दल में भी रहे ओर कांग्रेस में भी रहे। उन्होनें कई बार दल बदला लेकिन स्पीकर साहब, वे बहुत ही भाानदार आदमी थे।

स्पीकर साहब, श्रीमती सावित्री देवी, धर्मपत्नी श्री भगवतदयाल भार्मा, राज्यपाल मध्यप्रदे ा एवं भूतपूर्व मुख्यमंत्री, हरियाणा का भी निधन हो गया है। हमसब को इस बात का बडा दुख है क्योकि पंडित जी हमारे ही एक नुमाइन्दे के रूप में बाहर विराजमान हैं भले आदमी हैं पता नहीं कब तक बाहर रहते हैख यह दूसरी बात है आखिर है तो हमारे ही प्रतिनिध, उनको इस आयु में इस घटना से बडा रंज हुआ होगा। क्योकि श्रीमति सावित्री देवी जी ने स्वाधीनता संग्राम में उनका बडा साथ दिया था, इससिलये स्वाभाविक ही है कि पंडित जी को इस घटना से वास्तविक दुख होगा। श्रीमती सावित्री देवी जी ने पंडित जी को पारिवारिक उलझनों से मुक्त रख कर राश्ट्र और मजदूरों के कल्याण के लिये निरन्तर सहयोग दिया।

इसके साथ ही साथ स्पीकर साहब, अभी पांच चार नाम ओर इस लिस्ट में जोड दिये गये है। श्री अर्जुन अरोड़ा का नाम तो आपने भली–भांति सुना होगा। केन्द्र में कुछ लेाग हुआ करते थे, जिनकी युवा टर्क कहा जाता था, श्री अर्जुन अरोडा उनमें से एक थे। बडे साहसी लोगों में से थें इसी तरह से कुछ राजनीतिक नेता ओर दूसरे कुछ लोग इस संसार से चले गये है। मै अपनी व अपने दल की ओर से , इन दिवंगत आत्माओं के चरणों में श्रद्धा के फूल अर्पित करता हुआ श्रद्धांजली पे ा करता हूं और जो यह प्रस्ताव लीडर आफ दि हाउस ने पे ा कियाहै, उसका समर्थन करता हूं।

श्रीमती सुशमा स्वराज (अम्बाला छावनी): अध्यक्ष महोदय, जिन स्वर्गवासी आत्माओं के प्रति मुख्यमंत्री महोदय ने भाोक प्रस्ताव सदन में रखा है उनके प्रति भावभीनी श्रद्धाजंलि अर्पित करने के लिये, आनी ओर अपने साथियों की और से खडी हुई हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं वि ोश रूप में दो तीन व्यक्तियों का , महान विभूतियों का उल्लेख करना चाहूंगी। सबसे पहले श्री अलैक्सी कोसीगिन, भूतपूर्व प्रधान मंत्री, सेावियत संघ, जिनके देहावसान से मै ंसमझती हूं कि किसी एक दे ा को नही बल्कि समपूर्ण वि व को हानि हुई है। भारत को तो इस हानि का वि ोश रूप से अभाव महसूस होगा क्योंकि सोवियत भारत मैत्री स्थापित करने के लिये बहुत बडी कडी का काम अलैक्सी कोसीगिन जी ने किया और भारत के विकास के कामों में आर्थिक और तकनीकी सहयोग देकर के मैत्री के नये आयोमों को कायम किया। अध्यक्ष महोदय, जिन पदों को श्री अलैक्सी कोसिगिन जी ने सु ाोभित किया, उनके बारे में विस्तार से मुख्य मंत्री महोदय ने यहां पर बताया है लेकिन सारी बातों को जानने के बाद यह लगता है कि श्री कोसीगिन वि व के एक बहुत बडे स्टेट्समैन भी थे और इतने बडे स्टेटसमैन के इस मौके पर दुनियां से उठ जाने पर पूरे वि व को उसकी हानि का अहसास होगा, इस बारे मे कोई गुजांइ ा नहीं है।

अध्यक्ष महोदय, दूसरा नाम श्री मोहम्मद करीम छागला, भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री जी का आया है, जोकि अपनी जिनदगी में

जस्टिस छागला के नाम से जाने जाते थे। जो तफसीलात उनके बारे में यहां पर मुख्य मंत्री महोदय ने दी है , उनको जानने के बाद ऐसा लगता है कि उनका व्यक्तित्व बहुत विभिन्नताओं का मिश्रण था। अध्यक्ष महोदय, कुल मिलाकर उनका वयक्तित्व एक निश्पक्ष न्यानधी ा, एक प्रबुद्ध राजनेता ओर एक येाग्य प्र ाासक के रूप में उभरा है। यहां पर उनकी दो तीन पुस्तको का जिक्र भी आया । 'रोजिज इन दिसम्बर' में उनकी आत्म कथा हैं अध्यक्ष महोदय, अगर आप को कभी यह पुस्तक पढने का अवसर मिले तो आप अव य पढिये। यह एक अभूतपूर्व किताब है, एक दिलचस्प और प्रेरणादायक पुस्तक हैं आप देखें कि इसका कितना असाधारण भीर्शक है 'रोजिज इन दिसम्बर' । दिसम्बर में अकसर गुलाब नहीं खिलता। इसलिये मै कहूंगी कि जितना असाधारण इस पुस्तक का भीर्शक है, उतना ही असाधारण उनका अपना व्यक्तितव था। अध्यक्ष महोदय, उनके जिस सैकुलर करैक्टर के बारे में डाक्टर मंगल सैन जी ने यहां सदन में बतायाहै , मै उस के लिये डाक्टर साहब को धन्यवाद देना चाहूंगी कि अरग डाक्टर साहब उनके गारे में खुलकर अपने विचार न रखते तो भाायद उनका यह पहलू छिपा हुआ रह जाता। अध्यक्ष महोदय, धम्र निरपेक्षता तो भाायद उनमें जैसे कूट कूट कर भरी हुई थी ओर इस पूरे राश्ट्रीयता के आन्दोलन में ऐसे धर्म निरपेक्ष व्यक्तियों की आज बहुत जरूरत थी और ऐसे समय में श्री छागला जी का इस दुनिया से चले जाना एक बहुत बडी हानि का अहसास लेकर आयेगा।

अध्यक्ष महोदय, इसके बाद, मैं पंडित भगवत दयाल भार्मा जी की धर्मपत्नी श्रीमती सावित्री देवी के बारे में अपने विचार रखना चाहूंगी। यहां पर उनके सार्वजनिक गुणों का ही जिक किया गया हैं लेकिन मुझे उनकी करीबता का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, इसलिये मै ंउनके कुछ व्यक्तिगत गुणों के बारे मे भी कहना चाहूंगी। अध्यक्ष महोदय श्रीमती सावित्री देवी एक बहुत सुघड गृहणी, एक बहुत ही स्नेही महिला थीं। अध्यक्ष महोदय, एक भागय ाली औरीत की नि ानी है कि उस के माथे पर हमे ा ही रौनक रहे, उसके अधरों पर हमे ा ही मुस्कान खिलती रहे। पंडित जी के राजनीतिज्ञ हेाने के कारण सैंकडों लेागों का उन के घर पर आना जाना लगा रहता था लेकिन यह देखने की बात है कि कभी भी मिसे ल भगवतदयाल ने अपने माथे को मैला नहीं किय पंडित जी को तो फिर भी कभी कभी क्रेाध आ जाता था लेकिन अपनी जिस सौम्यता, अपने मधुर स्वभाव से वह पंडित जी को भाान्त किया करती थी और एक ऐसी धर्म पत्नी के बिछुड जाने का, इस वृद्ध अवस्था में जो रंजिस या गम पंडित जी को होगा, उस में हम तमाम लोग भारीक होते हैं उन के जाने से पंडित जी को तो बहुत हानि हूई है लेकिन मुझे एक निजी हानि का अहसास हो रहा हैं यह भाब्द कहती हूई, मैं उन सारी दिंवगत आत्माओं के प्रति, जिन के बारे में भाोक प्रस्ताव मुख्य मंत्री महोदय ने रखा है, उनके भाोक संतप्त परिवारों को , अपनी व अपने दल के साथीयों की और से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित

करती हूई आपका धन्यवाद करती हूं कि आप ने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैंबर्ज, हाउस में स्वर्गग्वासी महानुभावों के बारे में जो भाोक प्रस्ताव तथा विचार रखे गये है, मैं उन के साथ अपने आप को भाामिल करता हूं। श्री अलैक्सी कोसीगिन जोंकि सोवियत रूस के भूतपूर्व प्राइम मिनिसटर थे, उन के बारे में काफी कुछ चर्चा हुई हैं 1971 की जो बंगला दे ा की लडाई हुई थी, उसमे जो हैल्प श्री कोसीगन साहब ने हिन्दुस्तान की, की थी, वह हमारे दे ा के लोग ओर हिन्दुस्तानी फौज कभी नहीं भूल सकती। जब बाहर से दे ा को खतरा होने की संभावना पैदा हुई थी उस वक्त सोवियत यूनियन ने अ ाोरेन्स दिया था और उस पर वह कायम भी रहा था कि अगर बाहर से कोई गड़बड हुई तो हम आप की मदद पर आने के लिये हमे ाा तैयार रहेगें जिसकी वजह से बंगला दे ा में हिन्दुस्तानी फौज को बडी भाानदार विक्टरी हुई थी। साहेबान, मेरे ख्याल में सारा हाउस इस से सहमत होगा कि यहां पर उनकी स्टेट पालिसी के बारे में , चाहे उनकी स्टैट पालिसी कुछ भी हो, यहां हरियाणा विधान सभा में कोई जिक्र करना उचित नहीं है। हम उनकी मौत पर अनक्वालीफाइड ग्रीफ और भाोक जाहिर करते है।

इसी तरह से श्री विलियम गोपालबा, जो कि कई वर्शों तक श्री लंका के प्रेजीडेंट रहे। उनहोने इण्डो–श्रीलंका फ्रेन्डि ाप टाई को मजबूत करने के कलये एक बहुत बडा पार्ट प्ले किया।

उन्होने नान–अलायनमेंट मूवमेन्ट और दूनिया में अमन कायम करने के लिये भारत को बडा कोआपरे ान दिया।

श्री मुहम्मद करीम छागला, जोकि एक माने हुये जूरिस्ट ओर पार्लियामेंटेरियन थे। उनहोने कई बडे पदों पर कार्य करते हुये दे ा की बडी भारी सेवा की हैं और सबसे बडी बात यह है कि वे सैकुलरिजम के सिममबल थे ओर यूनाइटिड ने ान्ज में भारत के ऐ डेलीगेट के रूप में गये और दे ा की बडी सेवा की थी। श्री विश्णु राम मेथी जी ने आसाम के मुख्यमंत्री ओर तमिनाडु के राज्यपाल के रूप में रहकर दे ाकी काफी सेवा की । उन्होने दे ा की फ्रीडम मूवमेंटस में भी बडा भारी पार्ट अदा किया था। जैसा कि अभी बाबू मूलचन्द जैन जी ने छागला साहब और विश्णु राम मेधी जी के बारे मे कहा है कि इन जैसे महानुभावों ने हमें एक बड़ा अच्छा रास्ता दिखाया है पर वह कलास आज काफी तेजी से हमारे दे ा मे से खत्म हो रही है। उन महानुभावों के जो प्रिसींपल्ज, असूल है, उनके मुताबिक हम अपने जीवन और लाईफ स्टाइल को बनाने की कोि ा ा करें, मैं समझता हूं कि इससे बड़ी श्रद्धांजलि हम और क्या इनक` लिये अर्पित कर सकते है।

इसी तरह से हमारी पडोसी स्टेट पंजाब के एक नौजवान विधायक सरदार जसमत सिंह ढिल्लों के निधन पर हमें बडा दुख है कि उनहे इस जवानी की आयु में ही भगवान ने हमसे छीन लिया और उनको अपनी स्टेट की सेवा करने का पूरा मौका नहीं मिला।

इन सभी महान हस्तियों ने देश के इतिहास पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। और हम उनके निधन पर गहरा भाोक प्रकट करते है। मैं इस सदन की गहरी भावनाओं और हमदर्दी को भाोकजदा परिवारों तक पहुंचा दूंगा।

अब मैं हाउस से निवेदन करूंगा कि इन स्वर्गवासी नेताओं के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिये हम खडे हो कर दो मिनट के लिये मौन धारण करे।

(इस समय दिवंगत आत्माओं के सम्मान में सदन ने खडे होकर दो मिनट का मौन धारण किया।)

अध्यक्ष द्वारा घोशणा

(1) पैनल आफ चेयरमैन

श्री अध्यक्षः मैंबर साहेबान , हरियाणा विधान सभा के रूल्ज आफ (16.00 बजे) प्रोसीजर एंड कंडक्ट आफ बिजनैस के रूल 13(1) के अधीन मैं निम्नलिखित सदस्यों को पैनल आफ चेयरमेन मे काम करने के लिये नोमिनेट करता हूं:–

1. चौधरी हर स्वरूप बूरा,

2. चौधरी बीरेन्द्र सिंह,

3. श्री सुरेन्द्र सिंह, तथा

4. श्री बलदेव तायल।

(2) कमेटी आन पैटी ान्ज

श्री अध्यक्षः हरियाणा विधान सभा के रूल्ज आफ प्रौसीजर एंड कंडक्ट आफ बिजनैस के रूल 286(1) के अधीन मैं निम्नलिखित सदस्यों को कमेटी आन पैटी ांज में कार्य करने के लिये नोमिनेट करता हूंः–

1. कंवर विजय पाल सिंह (डिप्टी स्पीकर) पदेन सभापति

2. श्री बलदेव तायल

3. श्री फतेह चन्द विज

4. स्वामी आदित्यवे ा , तथा

5. चौधरी भाकरूला।

सचिव द्वारा घोशणा

राज्यपाल/राश्ट्रपति द्वारा अनुमति दिये गये बिलों सम्बन्धी

श्री अध्यक्षः मैंबर साहेबान, अब सैक्रेटरी साहब कुछ अनाउसंमेंट करेगें।

सचिवः मैं उन बिलों को द र्ाने वाला विवरण जो हरियाणा विधान सभा ने दिसम्बर, 1980 में हुये पिछले से ान के

दौरान पास किये थे तथा जिन पर राज्यपाल/राश्ट्रपति महोदय ने अनुमति दे दी है, सादर सदन की मेज पर रखता हूं।

Statement

1. The Punjab Agricultural, Produce Markets (Haryana Third Amendment and Validation) Bill, 1980.

2. The East Punjab, tractor Cultivation (Recovery of Charges) Haryana Repealing Bill, 1980.

3. The Haryana General Sales Tax (Amendment) Bill, 1980.

4. The Kurukshetra University (Second Amendment) Bill, 1980.

5. The Maharashi Dayanand University (Amendment) Bill, 1980.

6. The Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Fifth Amendment Bill, 1980.

7. The Haryana Appropriation (No. 5) Bill, 1980.

8. The Punhab Village Common Lands (Regulation) Haryana Amendment Bill, 1980.

बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट

श्री अध्यक्षः मैंबर साहेबान, अब मैं विभिन्न कार्यों के बारे में बिजनैस एडवाइजरी कमेटी द्वारा नियत केय गये टाईम टेबल की रिपोर्ट पे ा करता हूं।

''समिति की बैठक सोमवार, 9 मार्च 1981 को 11.00 बजे अग–मध्याहन माननीय अध्यक्ष महोदय के चैम्बर में हुई।

कुछ चर्चा के प चात समिति ने यह सिफारि ा की कि सोमवार, 9 मंगलवार, 10, बुधवार, 11, वीरवार, 12 भाुक्रवार 13 तथा सोमवार 16 माचर्व, 1981 को निम्नानुसार कार्य किया जायेगाः–

सोमवार, 9 मार्च, 1981 (राजयपाल महोदय के अभिभाशण के तुरन्त आधा घटां बाद)

1. राज्यपाल के अभिभाशण की एक प्रति सदन की मेज पर रखना।

2. भाोक प्रस्ताव।

3. कार्य सलाहकार समिति की पहली रिपोर्ट पे ा करना तथा स्वीकार करना।

4. वि ोशाधिकार मामलों के संबंध में वि ोशाधिकार समिति के दो प्रारंभिक प्रतिवेदन पे ाकरना तथा अंतिम प्रतिवेदन पे ा करने के लिये समय बढाना।

5. सदन की मेज पर कागज–पत्र रखना तथा पुनः रखना।

मंगलवार, 10 मार्च, 1981 (9.30 बजे प्रातः)

1. प्र नोतर काल।

2. सदन की मेज पर कागज–पत्र रखना।

3. (सरकारी) विधेयक प्रस्तुत करना/ प्रस्तुत करने की अनुमति लेना।

4. वर्श 1975–76 के अनुदानों तथा विनियोजनो से अधिक मांगे पे ा करना।

5. वर्श 1976–77 के अनुदानों तथा विनियोजनों से अधिक मांगें पे ा करना।

6. राजयपाल के अभिभाशण पर चर्चा।

बुधवारख 11 मार्च, 1981 (9.30 बजे प्रातः)

1. प्र नोत्तर काल।

2. राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा का पुनरारम्भण।

वीरवार, 12 मार्च 1981 (9.30 बजे प्रातः)

1.प्र नोत्तर काल।

2. गैर सरकारी सदस्यों के संकल्प।

3. पहले से प्रस्तुत किया गया विधेयक अर्थात पंजाब ग्राम पंचायत (हरियाणा सं ाोधन) विधेयक, 1980 (स्वामी आदित्यवे ा, एम0एल0ए0 द्वारा)

भाुक्रवार, 13 मार्च 1981 (9.30 बजे प्रातः)

1.प्र नोत्तर काल।

2. 1980–81 के अनुपुरक अनुमान (तीसरी किस्त) तथा उस पर प्राक्कलन समिति के रिपोर्ट पे ा करना।

3. राजयपाल के अभिभाशण पर चर्चा का पुनरारम्भण तथा धन्यवाद प्रस्ताव पर मतदान।

भानिवार, 14 मार्च 1981

खाली दिन।

रविवार, 15 मार्च 1981

छुट्टी।

सोमवार, 16 मार्च 1981 (2.00 बजे मध्याहन–प चात)

1.प्र नोत्तर काल।

2. वर्श 1981–82 का बजट पे ा करना।

वित्त मंत्री (चौधरी खुर ाीद अहमद): स्पीकर साहब, मैं प्रस्ताव करता हूं:–

कि यह सदन कार्य सलाहकार समिति की पहली रिपोर्ट में दी गई सिफारि ाों के साथ सहमत है।

श्री अध्यक्ष: प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ।

कि यह सदन कार्य सलाहकार समिति की पहली रिपोर्ट में दी गई सिफारि ाों के साथ सहमत है।

श्री अध्यक्ष: प्र न है–

कि यह सदन कार्य सलाहकार समिति की पहली रिपोर्ट में दी गई सिफारि ाों के साथ सहमत है।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

वि ोशाधिकार मामलों के सम्बन्ध में प्रिविलिज कमेटी का प्रिलीमिनिरी रिपोर्ट्स पे ा करना तथा अन्तिम रिपोर्ट्स पे ा करने के लिये समय बढ़ाना

1. 17 दिसम्बर, 1980 को स्वामी आदित्यवे ा एम.एल.ए. द्वारा चौधरी संत कंवर एम.एल.ए. के विरूद्ध लगाये आरोपों सम्बन्धी।

चौधरी रण सिंह (एक्टिंग चेयरमैन, प्रिविलिज कमेटी): अध्यक्ष महोदय, मैं 17 दिसम्बर, 1980 को स्वामी आदित्यवे ा एम.

एल.ए. द्वारा चौधरी संत कवंर, एम.एल.ए. के विरूद्ध लगाये गये आरोपों सम्बन्धी मामले पर वि ोशाधिकार समिति का प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना है।

मैं यह भी प्रस्ताव करता हूं–

कि अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का समय अगले सत्र की प्रथम बैठक तक बढाया जाए।

श्री अध्यक्षः पस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का समय अगले सत्र की प्रथम बैठक तक बढाया जाए।

वि ोशाधिकार मामलों के सम्बन्ध में प्रिविलिज कमेटी का प्रिलिमिनिरी रिपोर्टस पे ा करना तथा अन्तिम रिपोर्टस पे ा करने के लिये समय बढाना

श्रीमती सुशमा स्वराज(अम्बाला छावनी): अध्यक्ष महोदय, अभी वि ोशाधिकार समिति के कार्यकारी सभापति महोदय ने, स्वामी आदित्यवे ज्ञ जी ने जो आरोप श्री संत कंवर जी के खिलाफ लगाये थे, उस बारे में अपनी प्रारम्भिक रिपोर्ट पे ा की। लेकिन आज से कुछ दिन पहले एक नोटिफिके न जारी करके स्वामी आदित्यवे ा जी को इस कमेटी का मैंबर बनाया गया है। मैं आप से यह जानना चाहती हूं कि क्या कोई व्यक्ति अपनी ही

रौंगज को ठीक करने के लिये न्यायाधी ा के पद पर बैठ सकता है?

श्री अध्यक्षः अगर उनके बारे में कोई मामला कमेटी में आता है तो स्वामी जो को खुद विदड्रा कर जाना चाहिये। ज बवह मामला डिसक्स होगा तो वे विदड्रा कर जाएंगें। (ाोर)

Shrimati Sushma Swaraj: Nomination itself is wrong. Nobody can be judge of his own wrongs. अध्यक्ष महोदय, इसमें विदड्रा करने वाली बात नहीं है जब उनका प्रिविलिज मो ान पैंडिंग है, तो उनको खुद ही हट जाना चाहिये। यह प्रिविलिज मो ान सदन के पिछली सत्र में आया था लेकिन उन को इस कमेटी का मैंबर बनाने का जो नोटिफिके ान हुआ है। वह 10–15 दिन पहले हुआ है। इसलिये उनको इस कमेटी का मेंबर नहीं बनाया जाना चाहिये था। अगर मो ान आने से पहले वे मैंबर होते तब तो बात अलग बात थी। एक प्रिविलिज मो ान जिस व्यक्ति के खिलाफ पैंडिग हो उसी व्यक्ति को प्रिविलिज कमेटी में नौमीनेट करना हाउस की डिस–रिस्पैक्ट है। प्रिविलिज कमेटी में मैंबर नौमिनेट करने के भी रूल्ज है But this nomination itself is wrong. Nobody can be dudge of his own wrongs. (Interruptions). क्या कोई आदमी अपने ही 'रौंगज' को देखने के लिये न्यायाधी ा के पद पर बैठ सकता है? (व्यवधान)

श्री बीरेन्द्र सिंहः इनको रिजाईन करना चाहिये। (व्यवधान)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, वि ोशाधिकार समिति के पास यही एक केस नहीं है, और भी केसिज हैं जब यह केस कमेटी के सामने आता है तो स्वामी जी कमेटी से उठकर बाहर चले जाते है। (व्यवधान)

श्रीमती सुशमा स्वराजः स्पीकर साहब, उनको नोमीनेट ही नहीं करना चाहिये था क्योकि वे कमेटी के मैंबर होने के नाते अपने कुलीग को इन्फलुएंस कर सकते है। अध्यक्ष माहेदय, अगर ये (स्वामी जी) पहले से ही मैंबर होते तो बात सही थी, लेकिन इनका अपना इ I प्रिविलिज कमेटी के पास जाने के बाद इनको नोमीनेट करना ठीक नहीं लगता। क्या सारी कांग्रेस पार्टी में से कोई और आदमी नहीं मिला जो इस कमेटी में नौमीनेट हो सकता था?

चौधरी राम लाल वधवाः आन ए प्वायंअ आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, इस कमेटी के कुछ मैबर मिनिस्टर बन गये थे और उन्होने कमेटी से रिजाइन कर दिया और उसके बाद स्वामी जी को नौमीनेट कर दिा। (व्यवधान)

Mr. Speaker This is not a point of order. (Interruptions.) Please come to your point.

चौधरी राम लाल वधवाः स्पमीकर साहब, तैं आपकी रूलिंग चाहता हूं। मेरा सवाल यह है कि जैसे कि मुख्य मंत्री जी ने कहा है कि कमेटी के सामने स्वामी जी का प्रिविलिज इ I, आने पर वे कमेटी से बाहर चले जामे हैं बात यह नहीं , बात यह

है कि जब उनका मामला प्रिविलिज कमेटी के सामने पहले से ही पैंडिग है तो उनका इस कमेटी में नौमीनेट करना ठीक नहीं है। यह चीज प्रिविलिज कमेटी के रूल्ज के अगेन्स्ट है। इसलिये वे मैंबर नहीं बन सकते। इस लकूने को दूर करने के दोही तरीके है, एक तो यह है कि या तो आप इनकी नौमीने ान विदड्रा कर लें या वे खुद ग्रेसफुली रिजाइन करे। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कमेटीज की जो नोमीने ान होती है, वह विधान सभा की तरफ से स्पीकर करता है and I will not allow any discussion on it. As far as this question is concerned, it is an established practice that जो मैंबर उस कमेटी में बैठें है, अगर उनको कोई केस उसी कमेटी में डिस्कस होता है तो कंसर्ड मैंबर उस कमेटी की मीटिंग में से उठकर बाहर चला जाता हैं लेकिन और किसी केस में उनको डिबार नहीं यिका जा सकता कि वेकिसी दूसरे केस को डिस्क्स न करे। (व्यवधान)

श्री सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, अगर वे न उठे तो क्या हो सकता है?(व्यवधान)

Mr. Speaker: For any re quest that you want to make, please come to my Chamber.

Shri Baldev Tayal: Speaker Sahib, through you I want to make an appeal to Swami Aditya Vesh to rise to the occasion and in the name os justice and fiar play, he should resign from the Committee. (Interruptions).

श्री अध्यक्षः ठीक है, थोड़ी बहुत डिसक ान तो मैने अलाउ कर दी bjut the question under sidcussionis regarding granting of extension of time for the presentation of the final report to the House and not about the membership of the Committee. इसके लिये मैं स्वामी जी से रिक्वैस्ट करूंगा कि वे मेरे चैंबर में आयें और आप वहां पर उनसे इस सम्बन्ध में डिस्क्स कर लें। (व्यवधान)

Now I will put the motion to the vote of the House.

प्र न है–

कि अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का समय अगले सत्र की प्रथम बैठक तक बढाया जाये।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

2. 10 जुलाई, 1980 को इस माहन सदउन के माननीय सदस्यों के लिये क्षोभक तथा अपमानजनक भाशा प्रयोग करने के सम्बन्ध में डा0 मंगल सैन एम.एल.ए. के विरूद्ध अभिकथित वि ोशाधिकार भंग करने के प्र न सम्बन्धी।

स्वामी आदित्यवे ा (एक्टिंग चेयरमैन, प्रिविलिज कमेटी): अध्यक्ष महोदय, मैं 10 जुलाई, 1980 को इस महान सदन के माननीय सदस्यों के लिये क्षोभक तथा अपमानजनक भाशा प्रयोग करने के सम्बन्ध में डा0 मंगल सैन एम.एल.ए. के विरूद्ध अभिकथित वि ोशाधिकार भंग के प्र न सम्बन्धी मामले पर

वि ोशाधिकार समिति का द्वितीय प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करता हूं।

स्पीकर साहब, प्रिलिमिलिरी रिपोर्ट पे ा करने की तथा समय बढ़वाने की आव यकता इसलिये पडी कि..... .....(व्यवधान)

Dr. Mangal Sein: Me. Speaker, Sir, he has no business to say like this. (Interruptions)

Chaudhri Ram Lal Wadhwa: Speaker Sahib, he should only present the report and say that more time should be given for the presentation of the final report of the Committee. (Interruptions) इनको ऐसा नहीं कहना चाहिये था। क्या ऐसे मैंबर प्रिविलिज कमेटी में किसी को इन्साफ दे सकते हैं।

– चेयर के आदे ानुसार कार्यवाही से निकाल दिये गयें।

Mr. Speaker: I would request the hon. Member to move for extension of time for the presentation f the final report बाकी की जो दोस्ताना गुफ्तगू है वह बाहर कर लें। (व्यवधान)

स्वामी आदित्यवे ा: मैं प्रस्ताव करता हूं–

कि अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का समय अगले सत्र की प्रथम बैठक तक बढाया जाये। .....(व्यवधान)

Dr. Mangal Sein: Speaker Sahib, I highly object to what he is saying? (Interruptions). ---------- (व्यवधान)

Mr. Speaker: Doctor Sahib, I did not lesten to what he has said?

Dr. Mangal Sein: Sir, what he has said is also a breach of privilege.

Chaudhri Ram Lal Wadhwa: Yes Sir, it also becomes a question of breach of privilege against Swami Aditya Vesh. (Interrutions)

Mr. Speaker: Any extrenuous remarks will be expunged.

चौधरी राम लाल वधवा: मैं आपसे इजाजत चाहता हूं कि इनके खिलाफ ब्रीच ऑफ प्रिविलिज मूव की जाये क्यांकि ये मैंबर को विदाउट ऐनी रीजन क्रिटिसाइज कर रहे है, यह ब्रीच आफ प्रिविलिज बनता है। (व्यवधान)

Mr. Speaker: I have already expunged the extrenuous remarks.

प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का समय अगले सत्र की प्रथम बैठक तक बढ़ाया जाए।

डा0 मंगल सैन (रोहतक): स्पीकर साहब, आज ही आपके चैम्बर में लीडर आफ दि हाउस और बाबू मूलचन्द जैन जी ने कहा कि हाउस काडैकोरम और डीसैंसी बनी रहनी चाहिये ,लेकिन यहां पर प्रिविलिज कमेटी में इन्साफ करने वाले मैंबर, प्रिविलिज कमेटी की रिपोर्ट पे ा करते समय..... .....स्पीकर साहब, आपे होते हूये क्या यह ठीक है? Speaker sahib, they are compelling us to pay in the same coin. (Interruptions)

Mr. Speaker: Doctor Sahib, these remarks have already been expunged.

चौधरी राम लाल वधवा (करनाल): स्पीकर साहब, मैं आपसे निवेदन करना चाहूंगा कि आज हाउस का पहला दिन भ्रुरू हुआ हैं पिछली बार भी इसी प्रकार की बातें होती रही ओर रूलिंग पाअ्र की तरफ से यही कहा जाता रहा कि अपोजी ान वाले हाउस को चलने नहीं देते जिसकी वजह से हाउस में डैकोरम नहीं होता। मै आपके द्वारा प्रार्थना करना चाहता हूं कि डैकोरम कायम किया जाए। अगर हम भी इसी तरह करने लगेगें तो ये लेाग फिर कहेंगें कि अपोजी ान वाले हाउस को ठीक ढंग से नहीं चलने देते। परन्तु मैं आपको बताना चाहता हूं कि हमारी पार्टी ने भेपाल में यह निर्णय लिया था कि असैम्बली की कार्यवाही ठीक ढंग से चलाई जाए ओर रूलिंग पार्टी से भी यक रिकवैस्ट की जाए कि वह भी कार्यवाही को ठीक ढंग से चलाने में सहायता

करे ओर मैं चाहूंगा कि सारे मैम्बर्ज हाउस का डैकोरम रखें और एक दूसरे को किटीसाईज न करें।

श्री अध्यक्षः मैं हाउस के सामने यह भी रिपोर्ट करना चाहता हूं कि बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में लीडर आफ दि हाउस, लीडर आफ दि आपोजि ान, लीडर आफ कि भारतीय जनता पार्टी और लीडर आफ दि जनता पार्टी सबने मुझे यह अ योंरैस दी है कि वे हाउस का डैकोरम रखेगें। हरियाणा हिन्दुस्तान का एक लींडिग प्रान्त हैं मैं चाहूंगा कि हाउस का डैकोरम रखने में भी हम दूसरे प्रान्तों का मार्ग द र्ान करेगें।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य चौधरी राम लाल जी ने सदन के सामने जो प्रस्ताव रखा है मैं उससे पूरी तरह सहमत हूं और मैं रूलिंग पार्टी की तरफ से आपको वि वास दिलाता हूं कि हाउस की मर्यादा भंग करने के लिये इधर से कोई बात नहीं होगी लेकिन इनकी तरफ से भी कोई बात नहीं होनी चाहिये। (व्यवधान) स्पीकर साहब, मै ंतो निवेदन कर रहा हूं कि रूलिंग पार्टी हाउस के डैकोरम को कायम रखेगी।

श्री अध्यक्षः प्र न है–

कि अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का समय अगले सत्र की प्रथम बैठक तक बढाया जाये।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्रीमती सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, मेरा एक प्वायंट आफ आर्डर है।

Mr. Speaker: After the voting, what is your point of order?

श्रीमती सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, बहुत जरूरी प्वायंट आफ आर्डर है।

Mr. Speaker: Under which rule?

Shrimati Sushma Swaraj: Under rule 286 अध्यक्ष महोदय, नियम 286 के तहत नौमीने ान आफ कमेटी ओन पैटी ान्ज का जिक हैं इसमें स्पैसिफिकली यह कहा गया है कि कमेटी के चार सदस्यों में एक सदस्य पैनल आफ चेयरमैन में से होगा लेकिन आपने जो कमेटी नोमिनेटी की है, उसमें पैनल आफ चेयरमेन का कोई सदस्य नहीं लिया गया है।

Mr. Speaker: That is a slip on my part. Instead of Shri Hira Nand Arya, it should be Shri Baldev Tayal. (Interruptions) Thank you very much for pointing it out. It shows that you are paying attention. गवर्नर ऐड्रैस के बारे में भी अपने एक–दो अच्छी बातें प्वांयट आउट की है जो रह गई थी।

श्रीमती सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, अफसोस यह है कि जब भी मैं कुछ कहने के लिये खडी होती हूं तो इधर से

इंट्रप ांज भाुरू हो जाती है और भाोर में सारी बात ही गायब हो जाती हैं।(विघन)

श्री अध्यक्षः आपको सुनने के लिये ये उत्सुक रहते है। (हंसी)

श्रीमती सुशमा स्वराजः भाोर में न तो कहने का मजा आता है और न ही सुनने का आनन्द आता है(विघन)

गृह मंत्री (श्री कन्हैया लाल पोसवाल): अध्यक्ष महोदय, आज साबित हो गया कि कभी कभी ये बडी सही बात करती है। (हंसी)

सदन की मेज पर रखे गये/पुनः रखे गये कागज–पत्र

वित्त मंत्री (चौधरी खुर ीद अहमद): स्पीकर साहब, मैं हरियाणा विधान सभी (सदस्य–सुविधा) सं ाोधन अध्यादे ा, 1981 (1981 का हरियाणा अध्यादे ा सं01) मेज पर रखता हूं।

श्री अध्यक्षः क्या यह नहीं कहा जा सकता कि ये सब पेपर्ज पढे समझे जाएं। (विघन)

चौधरी खुर ीद अहमदः स्पीकर साहब, इन कागजों की संख्या 12 हैं एक तो मैने मेज पर रख दिया हैं अगर आपकी इजाजत हो तो 2 से 11 तक के कागज पढे समझ लिये जांए और 12 वें को मैं पढ़ देता हूं।

चौधरी राम लाल वधवाः ऐसा कोई रूल नहीं है। यह तो एक–एक पढना पड़ेगा।

Chaudhri Khurshid Ahmed: That was a suggestion from the Speaker.

श्री अध्यक्षः मेरा यह ख्याल है कि अगर ये पढे समझे जाएं तो हाउस का कुछ समय बच सकता ह। इसके अलावा रूल अगर न भी हो तो हाउस की सैंस से ऐसा किया जा सकता है। अगर हाउस चाहता हैं कि सारे पढें जाये तो मुझे कोई एतराज नहीं है।

आवाजें: पढ़े समझ लिये जाएं।

श्री अध्यक्षः ठीक है।

चौधरी खुर ीद अहमदः अध्यक्ष महोदय, संख्या 2 से 11 तक के कागज–पत्र मेज पर रखे/पुन रखे समझे जाये। 12वें को मैं पढ देता हूं।

1. हरियाणा राजय विधान मंडल (निरर्हता–निवारण) सं ाोधन अध्यादे ा, 1981(1981 का हरियाणा अध्यादे ा सं0 2)।

2. हरियाणा आव यक सेवा–अनुरक्षण (सं ाोधन) अध्यादे ा, 1981(1981 का हरियाणा अध्यादे ा सं0 3)।

3. हरियाणा विधान सभा (सदस्य–सुविधा) अधिनियम, 1979 की धारा 8 (3) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार

हरियाणा विधान सभा (सदस्य सुविधा) प्रथम सं ाोधन नियमावली, 1980 के संबंध में सामान्य प्र ाासन विभाग अधिसूचना सं. जी0एस0आर0 129/एचए9/79एस0/8/एम्ड(1)/80, दिनाकिंत 11दिसम्बर, 1981.

4. हरियाणा विधान सभा (सदस्य–सुविधा) अधिनियम, 1979 की धारा 8 (3) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार हरियाणा विधान सभा (सदस्य सुविधा) प्रथम सं ाोधन नियमावली, 1980 के संबंध में सामान्य प्र ाासन विभाग अधिसूचना सं. जी0एस0आर0 15/एचए9/79एस0/8/एम्ड(1)/81, दिनाकिंत 10 फरवरी, 1981.

5. हरियाणा होम गार्डज अधिनियम, 1974 की धारा 11 (3) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार हरियाणा होम गार्डज नियमावली, 1980 के संबंध में गृह विभाग अधिसूचना सं. जी0एस0आर0 55/एच0ए031/74एस0/11/1980, दिनाकिंत 6 मई, 1980.

6. राज्य वित्त निगम अधिनियम 1951 की धारा 38(3) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार 31.3.80 को समाप्त हुये वर्श की हरियाणा वित्त निगम की 13वीं वार्शिक रिपोर्ट तथा लेखें।

7. हरियाणा तथा पंजाब कृशि वि वविद्यालय अधिनियम 1970 की धारा 39(3) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार

1978–79 के लिये हरियाणा कृशि वि ववविद्यालय, हिसार की वार्शिक रिपोर्ट।

8. हरियाणा तथा पंजाब कृशि वि ववविद्यालय अधिनियम 1970 की धारा 34(5) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार 1978–79 के लिये हरियाणा कृशि वि ववविद्यालय, हिसार की वार्शिक रिपोर्ट।

9. हरियाणा साधारण विक्रय कर अधिनियम, 1973 की धारा 64 (3) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार हरियाणा साधारण विक्रय कर (तृतीय सं ाोधन) नियमावली, 1980 के संबंधी आबकारी तथा कराधान विभाग अधिसूचना सं. जी0एस0आर0 32/एच0ए020/73एस0/64/एम्ड (3)/1980, दिनाकिंत 18 मार्च, 1980.(पुनः रखा गया)

10. हरियाणा प्राइवेट महाविद्यालय (प्रबन्ध ग्रहण)अधिनियम, 1978 की धारा 10 (2) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार हरियाणा प्राइवेट महाविद्यालय (प्रबन्ध ग्रहण)नियमावली, 1980 के संबंध में ि ाक्षा विभाग अधिसूचना सं. जी0एस0आर0 18/एच0ए026/78एस0/10/1980, दिनाकिंत 21 फरवरी, 1980. (पुनः रखा गया)

स्पीकर साहब, मैं हरियाणा सम्बद्ध महाविद्यालय (सेवा–सुरक्षा) अधिनियम, 1979 की धारा 16 (3) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार हरियाणा समबद्ध महाविद्यालय (सेवा–सुरक्षा)

नियमावली, 1980 के संबंध में गृह विभाग अधिसूचना सं. जी0एस0आर0 /एच0ए015/79एस0/16/1980, दिनाकिंत 24 अप्रैल, 1980 सदन की मेज पर रखता हूं।

श्री अध्यक्षः अब हाउस कल दिनांक 10–3–1981 सुबह 9.30 बजे तक के लिये ऐडजर्न किया जाता है।

(16.27 बजे)

(तत्प चात सदन मंगलवार, दिनांक 10–3–1981 प्रातः 9.30 तक के लिये स्थगित हुआ।)